Resource: मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Words has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Words © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

मुख्य शब्द (अनफोल्डिंग वर्ड)

अ

अंग

परिभाषा:

“अंग” अर्थात एक जटिल शरीर या समूह का एक हिस्सा।

- नये नियम में विश्वासियों को मसीह की देह का "अंग" कहा गया है। मसीह के विश्वासी एक समुदाय के अंग है जो समुदाय अनेक विश्वासियों का संगठन है।
- इस देह का “सिर” मसीह है और विश्वासी उस देह के अंग स्वरूप काम करते हैं। पवित्र आत्मा देह के प्रत्येक सदस्य को एक विशेष भूमिका प्रदान करता है कि संपूर्ण देह सुचारू रूप से कार्य करे।
- यहूदी महासभा तथा फरीसी जैसे समूहों के सदस्यों को उन समूहों के "सदस्य" कहा जाता है।

(यह भी देखें: देह, फरीसी, महासभा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 6:15
- 1 कुरिन्थियों 12:14–17
- गिनती 16:2
- रोमियो 12:5

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1004, H1121, H3338, H5315, H8212, G1010, G3196, G3609

अंगूर

परिभाषा:

अंगूर (दाख) एक छोटा चिकना गोल फल होता है जो दाखलता में गुच्छों में उगता है। अंगूर का रस मदिरा बनाने के काम में आता है।

- अंगूर विभिन्न रंग के होते हैं, जैसे हरे, काले और लाल।
- एक अंगूर का आकार एक से तीन सेंटी मीटर का होता है।
- अंगूर के बगीचे लगाए जाते हैं जिन्हें दाख की बारी कहते हैं। दाख की बारी में दाखलताओं की लम्बी कतारें होती हैं।
- बाइबल के युग में अंगूर एक महत्वपूर्ण भोज्य पदार्थ था और दाख की बारी समृद्धि का प्रतीक था।
- अंगूरों को सड़ने से बचाने के लिए उन्हें सुखा लिया जाता है। * सूखे अंगूर किशमिश कहलाते है जिन्हें केक बनाने में काम में लिया जाता है।
- यीशु ने अपने शिष्यों को परमेश्वर के राज्य की शिक्षा देने के लिए दाख की बारी का उदाहरण दिया था।

(यह भी देखें: दाखलता, दाख की बारी, दाखरस)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 23:24
- होशे 9:10
- अय्यूब 15:33
- लूका 6:43–44
- मत्ती 7:15–17
- मत्ती 21:33

शब्द तथ्य:

- Strong's: H811, H891, H1154, H1155, H1210, H3196, H5955, H6025, H6528, G288, G4718

अंजीर

परिभाषा:

"अंजीर" एक छोटा मीठा फल होता है जो पेड़ में उगता है। पक जाने पर इस फल के विभिन्न रंग होते हैं, भूरा, पीला या बैंगनी।

- अंजीर का पेड़ छः मीटर तक लम्बा हो जाता है और इसके चौड़े पत्तों के कारण पेड़ के नीचे बहुत छाया होती है । इसके फल की लम्बाई 3–5 से.मी. होती है।
- आदम और हव्वा ने पाप करने के बाद अंजीर के पत्तों से अपने वस्त्र बनाए थे।
- अंजीर का फल खाया जाता है, पकाया जाता है या सुखा कर भी रखा जाता है। लोग उन्हें टुकड़े करके उनकी टिक्कियाँ बनाकर सुखा लेते हैं कि बाद में खाने के काम आए।
- बाइबल के युग में अंजीर खाने के लिए और बेचकर पैसा कमाने के लिए महत्त्वपूर्ण स्रोत थे।
- फलदायक अंजीर के पेड़ की चर्चा बाइबल में बार-बार की गई है। जिसका संदर्भ समृद्धि से है।
- यीशु ने भी अनेक बार अंजीर के वृक्षों का उदाहरण देकर आत्मिक सत्यों की व्याख्या की थी।

बाइबल सन्दर्भ:

- हबक्कूक 3:17
- याकूब 3:12
- लूका 13:7
- मरकुस 11:14
- मत्ती 7:17
- मत्ती 21:18

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1061, H1690, H6291, H8384, G3653, G4808, G4810

अकाल

परिभाषा:

"अकाल" शब्द उस परिस्थिति को दर्शाता है जब संपूर्ण देश में भोजन की कमी हो, विशेष करके वर्षा न होने के कारण।

- फसल नष्ट हो जाने के प्राकृतिक कारण होते हैं वर्षा न होना, फसल में रोग लग जाना या कीड़े लग जाना।
- भोजन वस्तुओं की कमी का कारण मनुष्य भी होता है जैसे शत्रु फसल को नष्ट कर दे।
- बाइबल में अकाल परमेश्वर के विरूद्ध पाप करने के कारण जातियों को दण्ड देने का साधन भी है।
- आमोस 8:11 में "अकाल" शब्द का उपयोग प्रतीकात्मक रूप में किया गया है, जब परमेश्वर ने अपने लोगों से बात करना त्याग दिया था। इसका अनुवाद आपकी भाषा में "अकाल" शब्द से किया जा सकता है या ऐसे वाक्यांश से जिसका अर्थ "महान घटी" या "गंभीर अभाव" हो।

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 21:11–12
- प्रे.का. 07:11–13
- उत्पत्ति 12:10–13
- उत्पत्ति 45:4–6
- यिर्मयाह 11:21–23
- लूका 04:25–27
- मत्ती 24:6–8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H3720, H7458, H7459, G3042

अक्विला

तथ्य:

अक्विला यहूदी मत से आया मसीही विश्वासी था, वह काले सागर के दक्षिण तट पर स्थित पोन्तुस का निवासी था।

- अक्विला और प्रिस्किल्ला रोम, इटली में कुछ समय रहे थे तब रोमी सम्राट क्लॉडियस ने सब यहूदियों को रोम से चले जाने का आदेश दिया।
- अतः अक्विला और प्रिस्किल्ला कुरिन्थ नगर आ गए जहां उनकी भेंट प्रेरित पौलुस से हुई थी।
- उन्होंने तम्बू बनाने में पौलुस के साथ काम किया था और इस प्रकार प्रचार कार्य में पौलुस के साथी हुए थे।
- अक्विला और प्रिस्किल्ला दोनों विश्वासियों को यीशु के सत्य की शिक्षा देते थे, इन विश्वासियों में एक प्रतिभाशाली शिक्षक अप्पुल्लोस भी था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अप्पुलोस, कोरिन्थ, रोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 16:19–20
- 2 तीमुथियुस 04:19–22
- प्रे.का. 18:2
- प्रे.का. 18:24

शब्द तथ्य:

- Strong's: G207

अख़मीरी रोटी

परिभाषा:

"अखमीरी रोटी" खमीर रहित या खट्टा करने वाले पदार्थ से रहित रोटी। यह रोटी पतली होती है क्योंकि उसे फूलने के लिए उसमें खमीर नहीं होता है।

अच्छा

- जब परमेश्वर ने इस्राएलियों को मिस्र के दासत्व से छुड़ाया था तब कहा था कि आटे को खमीर होने की प्रतीक्षा किए बिना वे अतिशीघ्र वहाँ से निकलें। अतः उन्होंने भोजन में अखमीरी रोटी खाई थी। तब से उनके वार्षिक फसह में अखमीरी रोटी का उपयोग किया जाता था कि उन्हें उस समय का स्मरण करवाए।
- कभी-कभी ख़मीर पाप का द्योतक भी कहा गया है, अतः "अखमीरी रोटी" मनुष्य के जीवन से पाप निवारण को दर्शाती है, जिससे कि वे परमेश्वर को सम्मान देनेवाला जीवन जिएँ।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द के अन्य अनुवाद रूप हो सकते है, "बिना खमीर की रोटी" या "बिना फूली रोटी."
- सुनिश्चित करें कि इसका अनुवाद आपके द्वारा "खमीर" के अनुवाद से सुसंगत हो।
- कुछ प्रकरणों में "अखमीरी रोटी" का संदर्भ "अखमीरी रोटी के पर्व" से है और इसका अनुवाद वैसे ही किया जाए।

(यह भी देखें: रोटी, मिस्र, उत्सव, फसह, सेवक, पाप, खमीर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 5:6–8
- 2 इतिहास 30:13–15
- प्रे.का. 12:3
- निर्गमन 23:14–15
- एज्रा 6:21–22
- उत्पत्ति 19:1–3
- न्यायियों 6:21
- लैव्यव्यवस्था 8:1–3
- लूका 22:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H4682, G01060

अच्छा

परिभाषा:

"अच्छा" शब्द सामान्यतः किसी के गुण-लक्षणों के सकारात्मक मूल्यांकन के सन्दर्भ में होता है, जो प्रायः नैतिक या भावनात्मक भाव में होता है| तथापि, बाईबल में प्रकरण के आधार पर इस शब्द के द्वारा अनेक अवांतर भेद व्यक्त किए जाते हैं|

- कोई वस्तु "अच्छी" है तो वह भावनाओं को अभिभूत करती है और नैतिकता में न्यायोचित होती है, सर्वोचित होती है, अनुकूल या लाभकारी होती है|
- बाईबल में, "अच्छा" का सामान्य अर्थ प्रायः "बुरे" की विषमता में दर्शाया जाता है|

अनुवाद के सुझाव:

- लक्षित भाषा में “अच्छा” के लिए जो भी सामान्य शब्द है उसका उपयोग किया जाए, यदि उसका सामान्य अर्थ उचित एवं स्वाभाविक हो विशेष करके ऐसे संदर्भों में जहां यह शब्द बुराई के विपरीत अर्थ में आया हो।
- प्रकरण के अनुसार इसके अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं, “दयालू” या "अति उत्तम" या “परमेश्वर को प्रसन्न करने योग्य” या “न्यायोचित” या "नैतिकता में खरा" या “लाभकारी”
- “अच्छी भूमि” का अनुवाद हो सकता है, “उपजाऊ भूमि” या “उत्पादक भूमि”; “अच्छी फसल” का अनुवाद हो सकता है, “विपुल फसल” या “बहुत अधिक फसल”।
- “भलाई करना” का अर्थ है मनुष्यों के लाभ के काम और इसका अनुवाद हो सकता है, किसी “पर दया करना” या “सहायता करना” या “लाभ पहुंचाना” या किस के लिए "समृद्धी का कारन होना"
- “सब्त के दिन भलाई करना” अर्थात “किसी के लाभ का काम सब्त के दिन करना”।
- प्रकरण के अनुसार “भलाई" के अनुवाद हो सकते हैं, “आशिष” या “दया” या “नैतिक सिद्धता” या “धार्मिकता” या “शुद्धता”

(यह भी देखें: धार्मिकता, समृद्ध होना, बुरा)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 5:22–24
- उत्पत्ति 1:12
- उत्पत्ति 2:9
- उत्पत्ति 2:17
- याकूब 3:13
- रोमियो 2:4

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **1:4** परमेश्वर ने देखा कि जो सृष्टि उसने की है वह **अच्छी** है।।
- **1:11** परमेश्वर ने **अच्छे** और बुरे के ज्ञान का पेड़ लगाया।
- **1:12** फिर परमेश्वर ने कहा “आदमी का अकेला रहना **अच्छा** नहीं है।”
- _ 2:4_ "परमेश्वर इतना जानता है कि जैसे ही तुम इसे खाते हो, तो तुम परमेश्वर की तरह हो जाओगे और **अच्छे** और बुरे को समझोगे जैसा वह समझता है।"
- **8:12** "आपने दास के रूप में मुझे बेचकर तुमने बुराई करने की कोशिश की, लेकिन परमेश्वर ने **भलाई** के लिए बुराई का इस्तेमाल किया!"
- **14:15** यहोशू एक **अच्छा** अगुआ था क्योंकि वह परमेश्वर पर विश्वास करता था व उसकी आज्ञाओ का पालन करता था।
    - **18:13** कुछ राजा **अच्छे** भी थे, जिन्होंने उचित शासन किया और परमेश्वर की उपासना की।
    - **28:1** “हे **उत्तम** गुरु, अनन्त जीवन का वारिस होने के लिए मै क्या करूँ?” यीशु ने उससे कहा, “तू मुझे **‘उत्तम’** क्यों कहता है? जो **उत्तम** है वह केवल एक ही है, और वह परमेश्वर है"

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0117, H0145, H0155, H0202, H0239, H0410, H1580, H1926, H1935, H2532, H2617, H2623, H2869, H2895, H2896, H2898, H3190, H3191, H3276, H3474, H3788, H3966, H4261, H4399, H5232, H5750, H6287, H6643, H6743, H7075, H7368, H7399, H7443, H7999, H8231, H8232, H8233, H8389, H8458, G00140, G00150, G00180, G00190, G05150, G07440, G08650, G09790, G13800, G20950, G20970, G21060, G21070, G21080, G21090, G21140, G21150, G21330, G21400, G21620, G21630, G21740, G22930, G25650, G25670, G25700, G25730, G28870, G29860, G31400, G36170, G37760, G41470, G46320, G46740, G48510, G52230, G52240, G53580, G55420, G55430, G55440

अजर्याह

तथ्य:

पुराने नियम में अजर्याह नामक अनेक पुरुष हुए है।

- एक अजर्याह अपने बेबीलोन के नाम से प्रसिद्ध है अबेदनगो। वह यहूदा के उन अनेक इस्राएलियों में था जिन्हें नबूकदनेस्सर की सेना बन्दी बनाकर बेबीलोन ले गई थी। अजर्याह और उसके साथी हनन्याह एवं मीशाएल ने बेबीलोन के राजा की उपासना करने से इन्कार किया। अतः उन्हें धधकते भट्ठे में डाल दिया गया था। परन्तु परमेश्वर ने उन्हें बचा लिया था उनकी कुछ भी हानि नहीं हुई थी।
- यहूदा का राजा उज्जियाह भी "अजर्याह" कहलाता था।
- एक और अजर्याह पुराने नियम में याजक था।
- यिर्मयाह के समय अजर्याह नामक एक पुरुष ने इस्राएललियों को स्वदेश त्यागने का परामर्श देकर परमेश्वर की आज्ञा का उल्लंघन करवाया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: बाबेल, दानिय्येल, हनन्याह, मीशाएल, यिर्मयाह, उज्जियाह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 02:36–38
- 1 राजा 04:1–4
- 2 इतिहास 15:1–2
- दानिय्येल 01:6–7
- यिर्मयाह 43:1–3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5838

अतल्याह

तथ्य:

अतल्याह यहूदा के राजा यहोराम की दुष्ट पत्नी थी। वह इस्राएल के दुष्ट राजा ओम्री की पोती थी।

- यहोराम के मरणोपरान्त अतल्याह का पुत्र अहजय्याह राजा बना।
- अपने पुत्र अहजय्याह के मृत्यु के बाद अतल्याह ने राजा के परिवार के सब सदस्यों को घात करने की योजना बनाई थी।
- परन्तु अतल्याह के सबसे छोटे पोते, योआश को उसकी चाची ने छिपाकर मरने से बचा लिया था। अतल्याह ने छह साल तक इस देश पर राज्य करने के बाद, उसे मार दिया गया और योआश राजा बन गया।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अहज्याह, यहोराम, योआश, ओम्री)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 इतिहास 22:1–3
- 2 इतिहास 24:6–7
- 2 राजा 11:1–3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6721

अथाह कुण्ड

परिभाषा:

“अथाह कुण्ड” एक विशाल अथाह गड्ढे का संदर्भ देता है।

- बाइबल में "अथाह कुण्ड" दण्ड का स्थान है।
- उदाहरणार्थ, यीशु ने एक दुष्टात्माग्रस्त मनुष्य से दुष्टात्माओं को निकाला तो उन्होंने यीशु से विनती की कि उन्हें अथाह गड़हे (कुण्ड) में न डाले।

“अथाह कुण्ड” का अनुवाद “अथाह गड्ढा” या “अगाध खाई” किया जा सकता है।

- इस शब्द का अनुवाद “अधोलोक” या “नरक” से भिन्न होना चाहिए।

(यह भी देखें: अधोलोक, नरक, दण्ड देना)

बाइबल सन्दर्भ:

- लूका 8:30
- रोमियो 10:7

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G00120 , G54210

अदन

तथ्य:

प्राचीन युग में अदन एक ऐसा स्थान था जहां वाटिका थी जिसमें परमेश्वर ने प्रथम पुरुष और स्त्री को रखा था।

- जिस वाटिका में आदम और हव्वा रहते थे वह अदन क्षेत्र का एक भाग मात्र था।
- अदन का स्थान वास्तव में कहां था निश्चित नहीं है परन्तु हिद्देकेल और फरात नदियां वहां बहती थी।
- इब्रानी भाषा में अदन शब्द का अर्थ है, “किसी स्थान में बड़ा आनन्द लेना”।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: आदम, फरात नदी, हव्वा)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 28:11–13
- उत्पत्ति 02:7–8
- उत्पत्ति 02:9–10
- उत्पत्ति 02:15–17
- उत्पत्ति 04:16–17
- योएल 02:3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5729, H5731

अदोनिय्याह

परिभाषा:

अदोनिय्याह राजा दाऊद का चौथा पुत्र था

- अपने भाई अबशालोम और अम्मोन की मृत्यु के बाद अदोनिय्याह ने इस्राएल का राजा बनने का प्रयास किया।
- परन्तु परमेश्वर ने राजा दाऊद का सिंहासन सुलैमान को देने की प्रतिज्ञा की थी, अतः अदोनिय्याह की योजना विफल हुई और सुलैमान राजा बना।
- अदोनिय्याह ने दूसरी बार राजा बनने का प्रयास किया तो सुलैमान ने उसे मरवा दिया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: दाऊद, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भ:

शब्द तथ्य:

- Strong's: G138

अधर्म

परिभाषा:

"अधर्म" शब्द का अर्थ और "पाप" का अर्थ एक सा ही है परन्त अत्यधिक विलक्षनता में इसका संदर्भ सोच-विचार कर किए गए अनुचित कार्य से. या महान दुष्टता से है।

- "अधर्म का काम" का अर्थ वास्तव में है कि (व्यवस्था को) विकृत करना या अनुचित अर्थ निर्धारण करना| इसका सन्दर्भ बड़े अन्याय से है।
- अधर्म के वर्णन में कहा जा सकता है, मनुष्ययों के विरुद्ध जानबूझ कर किया गया हानिकारक कार्य।
- "अधर्म के काम" के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "विकृत आचरण" या "भ्रष्टाचार" इन दोनों शब्दों द्वारा भयानक पाप की दशा प्रकट होती है।

अनुवाद के लिए सुझाव:

- "अधर्म के कामों" का अनुवाद हो सकता है, "दुष्टता" या "विकृत कार्य" या "हानिकारक कार्य"।
- "अधर्म के काम" उक्ति प्रायः उसी गद्यांश में प्रकट होती है जिसमें "पाप" और "अपराध" शब्द आते हैं। अतः इनके अनुवाद में अलग-अलग शब्दों का उपयोग करना अति महत्वपूर्ण है।

(यह भी देखें: पाप, उल्लंघन करना, अपराध करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- दानिय्येल 9:13
- निर्गमन 34: 5–7
- उत्पत्ति 15:14–16
- उत्पत्ति 44:16
- हबक्कूक 02:12
- मत्ती 13:41
- मत्ती 23:27–28
- मीका 03:10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H205, H1942, H5753, H5758, H5766, H5771, H5932, H5999, H7562, G92, G93, G458, G3892, G4189

अधर्मी साक्षी

परिभाषा:

"झूठा साक्षी" या और "अधर्मी साक्षी" उस व्यक्ति के संदर्भ में है जो किसी के बारे में या किसी घटना के बारे में, न्यायालय जैसी सभा में असत्य बातें कहता है।

- "झूठी गवाही" या "अन्यायी साक्षी" वास्तव में उच्चारित झूठ है।
- "झूठी गवाही देना" अर्थात झूठ कहना या गलत वर्णन करना।
- बाइबल में अनेक उदाहरण हैं जब झूठे गवाहों को भाड़े पर लाया गया कि किसी को दण्ड या मृत्युदण्ड दिलवाने के लिए झूठी गवाही दी जाए।

अनुवाद के सुझाव:

- "झूठी गवाही देना" या "झूठी साक्षी देना" इसका अनुवाद किया जा सकता है, "अवैध साक्षी" या "किसी के बारे में मिथ्या वर्णन करना" या "किसी के विरूद्ध झूठा अरोप लगाना" या "झूठ कहना"
- जब "झूठी गवाही" किसी मनुष्य के संदर्भ में हो तब कहा जा सकता है, "झूठ बोलने वाला मनुष्य" या "झूठी गवाही देने वाला मनुष्य" या "असत्य बातें कहनेवाला मनुष्य"।

(यह भी देखें: साक्षी, सत्य)

बाइबल सन्दर्भ:

- व्यवस्थाविवरण 19:19
- निर्गमन 20:16
- मत्ती 15:18–20
- मत्ती 19:18–19
- नीतिवचन 14:5–6
- भजन संहिता 27:11–12

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5707, H6030, H7650, H8267, G19650, G31440, G55710, G55750, G55760, G55770

अधिकार में लेना

अधिकार में लेना

तथ्य:

"अधिकार में लेना" (वारिस होना) और "सम्पत्ति" प्रायः किसी वस्तु के स्वामीत्व को दर्शाते हैं। इनका अर्थ किसी वस्तु पर अधिकार करना या भूमि पर अधिकार करना भी होता है।

अधिकार में लेना

- पुराने नियम में यह शब्द "भूमि पर अधिकार" या "अधिकार करने" के संदर्भ में उपयोग किए गए हैं।
- यहोवा ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे कनान देश पर "अधिकार" करें तो इसका अर्थ था कि वे उस देश में जाकर वहां रहें। इसमें पहले वहां के निवासियों, कनानियों को जीतना था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों से कहा था कि उसने उन्हें वह देश उनकी संपदा होने के लिए दे दिया है। इसका अनुवाद हो सकता है, "उनका अधिकृत निवास स्थान"।
- इस्राएल को यहोवा का "निज धन" भी कहा गया है। इसका अर्थ है कि वे उसके अपने लोग थे जिन्हें उसने विशेष करके अपनी आराधना और सेवा के लिए बुलाया था।

अनुवाद के सुझाव:

- "अधिकारी होना" का अनुवाद "स्वामी होना" या "रखना" या "अधिकार रखना" भी हो सकता है।
- "पर अधिकार करो" का अनुवाद "वश में करो" या "अधिग्रहण करो" "वहां रहो"- प्रकरण के अनुसार अनुवाद करें।
- मनुष्यों की संपदा के संदर्भ में "संपदा" का अनुवाद "सामान" या "सम्पत्ति" या "अधिकार की वस्तुएं" या "जिन वस्तुओं के वे स्वामी हैं"।
- यहोवा इस्राएल को "मेरा निज धन" कहता है जिसका अनुवाद "मेरे विशेष लोग" या "मेरे लोग" या "मेरे लोग जिन से मैं प्रेम करता हूं और जिन पर में राज करता हूं"।
- भूमि के संबन्ध में जब कहा गया है, "वह उनका भाग होगा" तो इसका अर्थ है, "वे उस भूमि के अधिकारी होंगे" या "वह देश उनका होगा"।
- "उसके अधिकार में पाया गया" इसका अनुवाद हो सकत्या है, "जिसे वह रखे हुए था" या " जो उसके पास था"।
- "तुम्हारा निज भाग" का अनुवाद "जो तुम्हारा है" या "वह स्थान जहां तुम रहोगे"।

- “उसकी संपदा” का अनुवाद “जो उसके अधिकार में था” या “जो उसका था”।

(यह भी देखें: कनान, आराधना, inherit)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 6:70
- 1 राजा 9:17–19
- प्रे.का. 2:45
- व्यवस्थाविवरण 4:5–6
- उत्पत्ति 31:36–37
- मत्ती 13:44

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0270, H0272, H0834, H2505, H2631, H3027, H3423, H3424, H3425, H3426, H4180, H4181, H4672, H4735, H4736, H5157, H5159, H5459, H7069, G11390, G21920, G26970, G27220, G29320, G29330, G29350, G40470, G52240, G55640

अधिकारी

परिभाषा:

“अधिकार” शब्द किसी के द्वारा किसी पर प्रभाव के पद, उत्तरदायित्व, या प्रशासन के स्थान का द्योतक है।

- राजाओं और प्रशासनिक शासकों का उन लोगों पर वैधानिक अधिकार होता है जिन पर उनका शासन होता है।
- "अधिकारियों" शब्द का सन्दर्भ जनता पर अधिकार रखने वाले लोगों, सरकारों या संगठनों से हो सकता है।
- "अधिकारियों" शब्द का सन्दर्भ उन आत्माओं से भी हो सकता है जिनके पास उन मनुष्यों पर अधिकार है जिन्होंने परमेश्वर की अधीनता स्वीकार नहीं की है ।
- स्वामी अपने सेवकों या दासों पर अधिकार रखते हैं। माता-पिता के पास अपने संतानों पर अधिकार है।
- सरकारों को अपने नागरिकों को नियंत्रित करने वाले कानून बनाने का अधिकार या हक़ है।

अनुवाद के सुझाव:

“अधिकार” का अनुवाद “नियंत्रण” या “वर्चस्व” या “योग्यता” भी हो सकता है

- कभी-कभी "अधिकार " शब्द, "शक्ति" के अभिप्राय में भी काम में लिया जाता है।
- जब "अधिकारियों " शब्द लोगों पर शासन करने मनुष्यों लोगों या संगठनों को संदर्भित करने के लिए काम में लिया जाता है, तो इसका अनुवाद हो सकता है, "अगुओं" , "शासकों" या "सत्ता" के रूप में भी किया जा सकता है।
- “अपने अधिकार से” इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, “अगुआई के अपने अधिकार से” या “अपनी योग्यताओं के आधार पर”
- "अधिकार के अधीन", इस अभिव्यक्ति का अनुवाद किया जा सकता है, "पालन करने के उत्तरदायी" या "अन्यून की आज्ञाओं का पालन करने की अनिवार्यता।"

(यह भी देखें: प्रभुता, राजा, शासक, सामर्थ्य)

अधिकारी होना

बाइबल सन्दर्भ:

- कुलुस्सियों 2:10
- एस्तेर 9:29
- उत्पत्ति 41: 35
- योना 3: 6–7
- लूका 12:5
- लूका 20:1–2
- मार्क 01:21–22
- मत्ती. 8:9
- मत्ती. 28:19
- तीतुस 3:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H8633, G08310, G14130, G18490, G18500, G20030, G27150, G52470

अधिकारी होना

परिभाषा:

"विरासत" माता-पिता या किसी से विशेष संबन्ध के कारण कोई मूल्यवान वस्तु प्राप्त करना। यह शब्द उस व्यक्ति के साथ विशेष संबंध के कारण किसी अन्य व्यक्ति से मूल्यवान वस्तु प्राप्त करने का भी उल्लेख कर सकता है। एक "विरासत" वह चीज है जो प्राप्त की जाती है, और एक "वारिस" वह व्यक्ति होता है जिसे विरासत प्राप्त होती है।

- सांसारिक उत्तराधिकार में पैसा, भूमि, या अन्य सम्पदा प्राप्त होती है।
- परमेश्वर ने अब्राहम और उसके वंशजों से प्रतिज्ञा की थी कि कनान उनका भाग होगा कि वह सदा के लिए उनका होगा।

अनुवाद के सुझाव:

- जैसे सदैव किया जाता है, पहले यह देखें कि लक्षित भाषा में "वारिस" या "भाग" (उत्तराधिकार) के लिए शब्द हैं, उनका उपयोग करें।
- प्रकरण पर निर्भर, "भाग" को अनुवाद के अन्य रूप है, "प्राप्त करना" या "अधिकार में लेना" या "अधिकारी होना"।
- "ठहराया हुआ भाग" (रिक्थ) के अनुवाद हो सकते हैं, "प्रतिज्ञात वरदान" या "अधिकार पाना"।
- "वारिस" शब्द का अनुवाद ऐसे शब्द से किया या उक्ति से किया जा सकता है जिसका अर्थ, "सौभाग्यशाली सन्तान जो पिता की सम्पदा प्राप्त करती है" या "(परमेश्वर की) आध्यात्मिक संपत्ति या आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए।"।
- शब्द "विरासत" का अनुवाद "परमेश्वर से आशीर्वाद" या "विरासत में मिली आशीषों" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: वारिस, कनान, प्रतिज्ञा का देश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 06:9–11
- 1 पतरस 01:3–5
- 2 शमूएल 21:2–3
- प्रे.का. 07:4–5
- व्यवस्थाविवरण 20:16–18
- गलातियों 05:19–21
- उत्पत्ति 15:6–8
- इब्रानियों 09:13–15
- यिर्मयाह 02:7–8
- लूका 15:11–12
- मत्ती 19:29–30
- भजन संहिता 079:1–3

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **04:06** जब अब्राम कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उससे कहा कि,'' अपने चारों ओर देख'' क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे **वंश** को दूँगा।
- **27:01** एक दिन, यहूदियों के कानून में एक विशेषज्ञ यीशु की परीक्षा लेने के लिए आया था, उन्होंने कहा, "शिक्षक, मुझे अनन्त जीवन _ पाने के लिए_ क्या करना चाहिए ?"
- **35:03** "किसी व्यक्ति के दो पुत्र थे। उनमें से छोटे पुत्र ने पिता से कहा, 'हे पिता, सम्पत्ति में से जो **भाग मेरा** है वह मुझे दे दीजिये।' तो पिता ने अपने दोनों बेटो में अपनी सम्पत्ति बाँट दी।"

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2490, H2506, H3423, H3425, H4181, H5157, H5159, G2816, G2817, G2819, G2820

अधीन

तथ्यों:

एक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के "अधीन" होता है, जब दूसरा व्यक्ति पहले पर शासन करता है। "अधीन रहो" अर्थात, "आज्ञा" मानो या "किसी के अधिकार के अधीन रहो"

- "के अधीन करना" का अर्थ है मनुष्यों को किसी अगुवे या शासक के आधिपत्य के अधीन करना।
- "किसी को किसी बात के अधीन करना" अर्थात् किसी के नकारात्मक अनुभव करवाना जैसे दण्ड की आज्ञा के अधीन करना।
- कभी-कभी "अधीन" शब्द का सन्दर्भ किसी विषय का कारण होना या किसी बात का केंद्र होना जैसे, "निन्दा का पात्र होना"
- "के अधीन" का अर्थ भी वही है जैसे "के अधीन रहो" या " की अधीनता स्वीकार करो"

(यह भी देखें: अधीन)

बाइबल के सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 2:14–16
- 1 राजा 4:6
- 1 पतरस 2:18–20
- 1इब्रानियों 2:5
- नीतिवचन 12:23–24

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1697, H3533, H3665, H4522, H5647, H5927, G03500, G13790, G13960, G17770, G36630, G52920, G52930

अधीन होना

परिभाषा:

"अधीन होना" इसका सामान्य अर्थ है स्वैच्छा से किसी मनुष्य के या सरकार के अधिपत्य के अधीन होना।

- बाइबल में यीशु के विश्वासियों को कहा गया है कि वे अपने जीवन में परमेश्वर और अन्य अधिकारियों के अधीन रहें।
- "एक दूसरे के अधीन रहो" इस निर्देश का अर्थ है, दीनतापूर्वक सुधार स्वीकार करें और अपनी अपेक्षा अन्यों की आवश्यकताओं पर अधिक ध्यान दें।
- "अधीनता में रहना" अर्थात स्वयं को किसी वस्तु या मनुष्य के अधिकाराधीन रखना।

अनुवाद के सुझाव:

- "अधीन रहो" इस आज्ञा का अनुवाद हो सकता है, "अधिकार के नीचे हो जाओ" या "अगुआई का अनुसरण करो" या "दीनतापूर्वक प्रतीष्ठा करो और आदर करो"।
- "अधीनता" का अनुवाद हो सकता है, "आज्ञा पालन" या "अधिकार का अनुपालन करना"
- "अधीनता में रहो" का अनुवाद हो सकता है, "आज्ञापालन करो" या "किसी के अधिकाराधीन रहो"
- "अधीनता में रहो" का अनुवाद हो सकता है, "दीनतापूर्वक अधिकार स्वीकार करो"

(यह भी देखें: प्रजा)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 14:34–36
- 1 पतरस 3:1
- इब्रानियों 13:15–17
- लूका 10:20

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H3584, G5226, G5293

अधोलोक

परिभाषा:

"अधोलोक" (यूनानी भाषा का अनुवाद) और "अथाह-कुण्ड" (इब्रानी भाषा का अनुवाद) "अधोलोक" के व्यक्तिवाचक संज्ञा नाम हैं जिनका अर्थ है, भूमिगत निवास स्थान जहां प्राचीन संस्कृति में माना जाता था कि मनुष्य मरणोपरांत वहाँ जाएगा।

- पुराने नियम में "अधोलोक" का इब्रानी शब्द (शिओल) को व्यक्तिवाचक संज्ञा नाम या जातिवाचक संज्ञा नाम स्वरुप काम में लिया जा सकता है जिसका अर्थ है, "भूमिगत।"
- नये नियम में यूनानी शब्द "हेडीज़" (अथाह-कुण्ड) यीशु का परित्याग करने वाले मृतकों का स्थान है। नये नियम में लोगों का वर्णन किया गया है कि वे अधोलोक में "नीचे जा रहे हैं।"

अनुवाद के सुझाव

- पुराने नियम के शब्द "शिओल" (अधोलोक) का अनुवाद प्रकरण पर आधारित होता है। कुछ संभावनाएं हैं: "मृतकों का स्थान" या "मृतक आत्माओं का स्थान", "कुण्ड" या "मृत्यु" कहा गया है।
- नये नियम का शब्द "हेडीज़" का अनुवाद भी प्रकरण पर आधारित नानाविध है। कुछ संभावित अनुवाद हैं: "अविश्वासी मृतकों की आत्माओं का स्थान", "मृतकों की पीड़ा का स्थान" या "अविश्वासी मृतक मनुष्यों की आत्माओं का स्थान"।
- कुछ अनुवादों में "शिओल" और "हेडीज़" व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्दों को ज्यों का त्यों ही रखा जाता है परन्तु उसके उच्चारण को अनुवाद की भाषा में ध्वनी के अनुरूप व्यक्त किया जाता है। (देखें: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)
- इन शब्एदों में से प्रत्येक के साथ वर्णनात्मक वाक्यांश जोड़ा जा सकता है। ऐसा करने के उदाहरण हैं, "अधोलोक, वह स्थान जहाँ मृत लोग हैं" और "अथाह-कुण्ड, मृत्यु का स्थान"।

(अनुवाद के सुझाव: अपरिचित शब्दों का अनुवाद कैसे करे)

(यह भी देखें: मृत्यु, स्वर्ग, नरक, कब्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 2:31
- उत्पत्ति 44:29
- योना 2:2
- लूका 10:15
- लूका 16:23
- मत्ती 11:23
- मत्ती 16:18
- प्रकाशितवाक्य 1:18

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H7585, G0860

अनाक

अनाक, अनाकवंशी

तथ्य:

अनाक एक व्यक्ति का नाम है जिसका पिता अर्बा था और जिसके वंशजों को "अनाकवंशी" या "अनाकियों" या "अनाक" कहा जाता था।

- अनाकवंशी बहुत लंबे लोग थे।
- अनाकवंशी एक समूह हैं जो उस भूमि में रहते थे जिसे यहोवा ने इस्राएलियों को देने का वादा किया था। अंत में इस्राएलियों ने उन्हें जीत लिया और बेदखल कर दिया।
- अनाक के तीन पुत्र या वंशज थे जिनका नाम अहिमान, शेशै, और तल्मै था।
- नाम "अनाक" इब्रानी शब्द अनाक का अंग्रेजी लिप्यंतरण है।

(यह भी देखें: हेब्रोन)

(अनुवाद सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग का:

अनादर-वस्तु

परिभाषा:

इस अर्थ में उपयोग शब्द "अनादर" किसी ऐसी चीज़ का वर्णन करता है जिसका प्रयोग विशेष या सम्मानजनक उपयोग के बजाय सामान्य या साधारण उपयोग के लिए किया जाता है।

- इस अर्थ में उपयोग शब्द "अनादर" उन वस्तुओं को संदर्भित करता है जो किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए उपयोगी नहीं हैं।
- संदर्भ के आधार पर, "अपमान" का अनुवाद "सामान्य उपयोग" या "" या "साधारण साधारण उपयोग" या "सांसारिक उपयोग" के रूप में भी किया जा सकता है।

(यह भी देखें: आदर)

बाइबल संदर्भ:

शब्द विवरण:

- स्ट्रॉन्ग:

अनार

तथ्य:

अनार एक फल है जिसका आवरण मोटा होता है जिसमें लाल रंग का खाने के दाने होते हैं।

बाहरी छिलका लाल रंग का होता है और बीजों का गुदा चमकदार और लाल होता है।

- अनार गर्म और सूखी जलवायु के देशों में बहुतायत से उगते हैं, जैसे मिस्र और इस्राएल।
- परमेश्वर ने इस्राएल से प्रतिज्ञा की थी कि कनान पानी और उपजाऊ भूमि थी जिसके कारण वहां भोजन सामग्री और अनार बहुतायत से हैं।
- सुलैमान निर्मित मन्दिर की सजावट में तांबे के अनार बने हुए थे।

(यह भी देखें: तांबा, कनान, मिस्र, सुलैमान, मन्दिर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 25:16–17
- व्यवस्थाविवरण 08:7–8
- यिर्मयाह 52:22–23
- गिनती 13:23–24

मिस्र

शब्द तथ्य:

- Strong's: H7416

अनुग्रह

परिभाषा:

“अनुग्रह” शब्द का अर्थ सामान्यतः अनुमोदन होता है। मनुष्य किसी पर अनुग्रह करता है तो वह उसको विश्वास का मान प्रदान करता है और उसका अनुमोदन करता है

- यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के “अनुग्रह में” बढ़ता गया। अर्थात परमेश्वर और मनुष्य दोनों ने उसके चरित्र और उसके आचरण का अनुमोदन किया।
- किसी का “अनुग्रह पात्र होना”, इसका अर्थ है, किसी के द्वारा किसी व्यक्ति का अनुमोदन किया जाना।
- राजा किसी पर अनुग्रह करता है तो उसका अर्थ प्रायः यह होता है कि राजा ने उसकी विनती स्वीकार कर ली है और उसके पक्ष में आज्ञा दे दी है।
- "अनुग्रह" किसी की और या किसी के लिए लाभ के निमित्त अन्विन्यास या कार्य भी हो सकता है|
- “पक्षपात” का अर्थ है, कुछ लोगों के साथ अन्यों की अपेक्षा अधिक पक्ष लेने की मनोवृति| इसका अर्थ है, एक व्यक्ति को दुसरे या एक वस्तु को दूसरी से अधिक वरीयता प्रदान करने की मनोवृति क्योंकि वह मनुष्य या वस्तु अधिक मनभावन होती है| पक्षपात को सामान्यतः अनुचित माना जाता है|

अनुवाद के सुझाव:

- “अनुग्रह” के अन्य अनुवाद हो सकते हैं, "अनुमोदन" या “आशिष” या “लाभ”
- “यहोवा के प्रसन्न रहने के वर्ष” इस वाक्यांश का अनुवाद हो सकता है, “वह वर्ष (समय) जब यहोवा विपुल आशीष देगा"
- शब्द "पक्षपात" शब्द का अनुवाद हो सकता है, "भेदभाव" या "पूर्वाग्रहित" या "अन्यायपूर्ण व्यवहार|" यह शब्द "मन पसंद" से संबंधित है, जिसका अर्थ है, सबसे अधिक वरीयता प्रदान करना|

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 2:25–26
- 2 इतिहास 19:7
- 2 कुरिन्थियों 1:11
- प्रे.का. 24:27
- उत्पत्ति 41:16

- उत्पत्ति 47:25
- उत्पत्ति 50:5

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0995, H1156, H1293, H1779, H1921, H2580, H2603, H2896, H5278, H5375, H5414, H5922, H6213, H6437, H6440, H7521, H7522, H7965, G11840, G36850, G43800, G43820, G54850, G54860

अनुग्रह

परिभाषा:

"अनुग्रह" का अर्थ है कि किसी मनुष्य की सहायता करना या उसको आशिष देना जबकि वह इस योग्य नहीं है। "अनुग्रहकारी" उस मनुष्य को दर्शाता है जो किसी पर अनुग्रह करता है।

- पापी मनुष्यों के प्रति परमेश्वर का अनुग्रह एक निर्मोल वरदान है।
- अनुग्रह के विचार में गलत एवं हानि पहुंचानेवाला काम करने वाले मनुष्य को दया दिखाना या क्षमा करना।
- "अनुग्रह प्राप्त करने के लिए" इस अभिव्यक्ति का अर्थ है, परमेश्सेवर से सहायता और दया प्राप्त करना। इसके अर्थ प्रायः यह होता है, परमेश्वर का किसी पर प्रसन्न होना और उसकी सहायता करना|

अनुवाद के सुझाव:

- "अनुग्रह" के अन्य अनुवाद रूप हो सकते हैं "ईश्वरीय दया" या "परमेश्वर की कृपा" या "पापियों के लिए परमेश्वर की दया एवं क्षमा" या "दयालु कृपा"।
- "अनुग्रहकारी" का अनुवाद हो सकता है, "कृपापूर्ण" या "दयालु" या "अनुकम्पा पूर्ण" या "कृपापूर्ण दया"
- "परमेश्वर की दृष्टि में अनुग्रह प्राप्त किया" इस उक्ति का अनुवाद हो सकता है, "उसने परमेश्वर से दया प्राप्त की" या "परमेश्वर ने कृपालु होकर उसकी सहायता की" या "परमेश्वर ने उस पर दया की" या "परमेश्वर उससे प्रसन्न हुआ और उसकी सहायता की"।

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 4:33
- प्रे.का. 6:8
- प्रे.का. 14:4
- कुलुस्सियों 4:6
- कुलुस्सियों 4:18
- उत्पत्ति 43:28–29
- याकूब 4:7
- यूहन्ना 1:16
- फिलिप्पियों 4: 21–23
- प्रकाशितवाक्य 22:20–21

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H2580, H2587, H2589, H2603, H8467, G21430, G54850, G55430

अनुवाद करना

तथ्य:

“व्याख्या करना” और “अर्थ बताना” का अर्थ है किसी अस्पष्ट बात का अर्थ समझना और उसकी व्याख्या करना।

- बाइबल में इन शब्दों का संदर्भ प्रायः स्वप्नों एवं दर्शनों के अर्थ बताने से है।
- जब बेबीलोन के राजा ने बड़े ही परेस्शान करने वाले स्वप्न देखे थे, तब परमेश्वर ने दानिय्येल की सहायता की कि वह उनका अर्थ समझाए और उनका सन्दर्भ स्पष्ट करे।
- स्वप्न का “अर्थ” बताने का तात्पर्य उस स्वप्न की व्याख्या करने से है।
- पुराने नियम में, परमेश्वर कभी-कभी स्वप्नों द्वारा मनुष्यों को भविष्य की घटनाएं बताता था। अतः उन स्वप्नों का अर्थ भाविश्यद्वानियाँ होता था।
- "व्याख्या" शब्द का सन्दर्भ अन्य बातों के अर्थ का अनुमान लगाना भी हो सकता है, जैसे सर्द या गर्म के आधार पर, वायु प्रवाह के आधार पर, और आकाश को देख कर मौसम का निर्धारण करना।
- "व्याख्या" शब्द के अनुवाद रूप हो सकते हैं: "अर्थ का मान निर्धारण करना या "वर्णन करना" या "अर्थ बताना।"
- "व्याख्या" शब्द का अनुवाद ऐसे भी हो सकता है: "वर्णन करना" या "अर्थ निर्धारान।"

(यह भी देखें: बाबेल, दानिय्येल, स्वप्न, भविष्यद्वक्ता, दर्शन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 12:10
- दानिय्येल 4:4–6
- उत्पत्ति 40:4–5
- न्यायियों 7:15–16
- लूका 12:56

शब्द तथ्य:

- Strong's: H995, H3887, H6591, H6622, H6623, H7667, H7760, H7922, G1252, G1328, G1329, G1381, G1955, G2058, G3177, G4793

अन्ताकिया

तथ्य:

अन्ताकिया नये नियम में दो नगरों का नाम था। एक नगर भूमध्य सागर के तट पर सीरिया में था। दूसरा नगर रोमी प्रदेश पिसिदिया में कुलुस्से के निकट था।

- सीरिया के अन्ताकिया में स्थानीय कलीसिया के विश्वासियों को पहली बार “मसीही” कहा गया था। वहां की कलीसिया अन्यजातियों में प्रचारकों को भेजने में सक्रिय थी।
- यरूशलेम की कलीसिया के अगुओं ने सीरिया के अन्ताकिया की कलीसिया के विश्वासियों को पत्र लिख कर स्पष्ट किया था कि मसीह के विश्वासी होने के लिए उन्हें यहूदी व्यवस्था का पालन करने की आवश्यकता नहीं है।
- पौलुस, बरनबास और यूहन्ना मरकुस पिसिदिया के अन्ताकिया गए थे कि वहां सुसमाचार सुनाएं। वहां अन्य नगरों से यहूदी आए थे कि समस्या उत्पन्न करें और पौलुस की हत्या करें। परन्तु अनेक लोगों ने, यहूदी और गैर यहूदीयों ने सुसमाचार सुना और यीशु में विश्वास किया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें:बरनबास, कुलुस्से, यूहन्ना मरकुस, पौलुस, प्रदेश, रोम, सूरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 3:10–13
- प्रे.का. 6:5–6
- प्रे.का. 11:19–21
- प्रे.का. 11:26
- गलातियों 2:11–12

शब्द तथ्य:

- Strong's: G491

अन्तिम दिन

परिभाषा:

“अन्तिम दिनों” या “अंत के दिनों” सामान्यतः इस वर्तमान युग के अन्त के समय का संदर्भ देते हैं।

- यह समय अज्ञात अवधि है।
- “अन्तिम दिन” न्याय का समय होगा, परमेश्वर से विमुख होने वालों का न्याय।

अनुवाद के सुझाव:

- अन्तिम दिनों” का अनुवाद हो सकता है, “समापन दिवसों” या “अन्त समय."
- कुछ संदर्भों में, इसका अनुवाद "दुनिया का अंत" या "जब यह संसार समाप्त होगा" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: प्रभु का दिन, न्याय, फिरे, जगत)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 3:3–4
- दानिय्येल 10:14–15
- इब्रानियों 1:2
- यशायाह 2:2
- याकूब 5:3
- यिर्मयाह 23:19–20
- यूहन्ना 11:24–26
- मीका 4:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0319, H3117, G20780 , G22500

अन्द्रियास

तथ्य:

अन्द्रियास उन बारहों में से एक था जिन्हें यीशु ने अपने घनिष्ठ शिष्यों में से चुना था। (आगे चलकर वे प्रेरित कहलाए)

- अन्द्रियास का भाई शमौन पतरस था। दोनों ही मछुवारे थे।
- पतरस और अन्द्रियास गलील सागर में मछलियां पकड़ रहे थे तब यीशु ने उन्हें अपने चेले होने के लिए बुला लिया था।
- यीशु से भेंट करने से पूर्व पतरस और अन्द्रियास यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के चेले थे।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: प्रेरित, चेले, बारहों)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 1:12–14
- यूहन्ना 1:40
- मरकुस 1:17
- मरकुस 1:29–31
- मरकुस 3:17–19
- मत्ती 4:19
- मत्ती 10:2–4

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: G04060

अन्न

परिभाषा:

"अन्न" अर्थात गेहूं, जौ, मक्का, दाल, चावल जैसे खाद्य संयंत्र के बीज को संदर्भित करता है। इसका अभिप्राय संपूर्ण पौधे से भी हो सकता है।

- बाइबल में मुख्य अन्न हैं गेहूं और जौ।
- बालियां गेहूं के पौधे का वह ऊपरी भाग है जो दाने को पकड़े रहता है।
- कुछ पुराने संस्करणों (अंग्रेजी) में "कार्न" शब्द अर्थात दाना शब्द का उपयोग किया गया है जो अन्न के सामान्य सदंर्भ में है। परन्तु आधुनिक भाषा में "कार्न" का अर्थ केवल मक्का से है।

(यह भी देखें: सिर, गेहूं)

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 42:1–4
- उत्पत्ति 42:26–28
- उत्पत्ति 43:1–2
- लूका 06:1–2
- मरकुस 02:23–24
- मत्ती 13:7–9
- रूत 01:22

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1250, H1430, H1715, H2233, H2591, H3759, H3899, H7054, H7383, H7641, H7668, G248, G2590, G3450, G4621, G4719

अन्नबलि

परिभाषा:

अन्नबलि परमेश्वर को चढ़ाई जानेवाली गेहूं या जौ के आटे की भेंट थी जो प्रायः होमबलि के बाद चढ़ाई जाती थी।

- अन्नबलि के लिए काम में लिया गया अन्न बारीक पिसा हुआ होना था। कभी-कभी उसे पका कर भी भेंट चढ़ाई जाती थी और कभी कच्चा भी चढ़ाया जाता था।
- अन्न के आटे में तेल और नमक मिलाया जाता था परन्तु खमीर और शहद वर्जित था।
- अन्नबलि का एक अंश जला दिया जाता था शेष याजक खाता था।

(यह भी देखें: होमबलि, दोषबलि, बलिदान, पाप बलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 23:27–29
- निर्गमन 29:41–42
- न्यायियों 13:19
- लैव्यव्यवस्था 2:2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4503, H8641

अन्नबलि

परिभाषा:

“अन्नबलि” परमेश्वर के लिए अन्न या आटे की रोटी के रूप में बलि थी।

- “अन्न” का अर्थ है अन्न का आटा।
- आटे को पानी या तेल में गूंध कर रोटी बनाई जाती थी। कभी-कभी रोटी पर तेल लगाया जाता था।
- यह बलि प्रायः होमबलि के साथ चढ़ाई जाती थी।

(यह भी देखें: होमबलि, अन्न, बलिदान)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 44:30–31
- योएल 02:14

शब्द तथ्य:

- Strong's: H4503, H8641

अन्यजाति

तथ्य:

"अन्यजाति" का अर्थ है गैर यहूदी जन। अन्य जातियां उन लोगों को कहते थे जो याकूब के वंशज नहीं थे।

- बाइबल में “खतनारहित” शब्द भी प्रतीकात्मक रूप से अन्यजातियों के लिए काम में लिया गया है क्योंकि वे इस्राएलियों के समान अपने बालकों का खतना नहीं करते थे।
- परमेश्वर ने यहूदियों को अपने लिए अलग करके चुन लिया था, इसलिए यहूदी अन्य लोगों को बाहरी लोग मानते थे जो कभी परमेश्वर के लोग नहीं हो सकते थे।
- यहूदियों को इतिहास में अलग-अलग समयों पर “इस्राएली” या “इब्रानी” कहा गया है अन्य सबको वे “अन्यजाति” कहते थे।
- अन्यजाति शब्द का अनुवाद हो सकता है, “यहूदी नहीं” या “गैर यहूदी” या “गैर इस्राएली” (पुराने नियम) या “गैर-यहूदी”
- परम्परा के अनुसार यहूदी अन्य जाति के साथ बैठ कर भोजन नहीं करते थे या उनके साथ संबन्ध नहीं रखते थे, इस कारण आरंभिक कलीसिया में समस्याएं उत्पन्न हुई थीं।

(यह भी देखें: इस्राएल, याकूब, यहूदी)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 9:13–16
- प्रे.का. 14:5–7
- गलातियों 2:16
- लूका 2:32
- मत्ती 5:47
- मत्ती 6:5–7
- रोमियो 11:25

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1471, G14820 , G14840, G16720

अन्यजाति

परिभाषा:

बाइबल में “अन्यजाति” शब्द उन लोगों के लिए काम में लिया गया है जो यहोवा की अपेक्षा देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

- ऐसे लोगों से संबन्धित कोई भी बात जैसे उनके उपासना स्थल की वेदियां, धार्मिक अनुष्ठान तथा उनकी श्रद्धा-आस्थाएं आदि सब अन्य जाति कहलाते थे।
- अन्य जातियों के विश्वास में देवी-देवताओं की तथा प्रकृति की पूजा थी।
- इन अन्य जातियों के धर्म में व्यभिचार या नरबलि आराधना का भाग होता था।

(यह भी देखें: वेदी, झूठे देवता, बलि, आराधना, यहोवा)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 10:20–22
- 1 कुरिन्थियों 12:1–3
- 2 राजा 17:14–15
- 2 राजा 21:4–6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1471, G14840

अपराध

परिभाषा:

“अपराध” का अर्थ है नियम का उल्लंघन करना या किसी मनुष्य के अधिकारों पर अतिक्रमण करना। “अपराध” करने की कार्य को "अतिक्रमण" कहते है।

- यह शब्द "संक्रमण" शब्द से बहुत मिलता-जुलता है, लेकिन आमतौर पर इसका इस्तेमाल परमेश्वर अन्य लोगों के खिलाफ उल्लंघन का वर्णन करने के लिए किया जाता है।
- अपराध एक नैतिक कानून या नागरिक कानून का उल्लंघन हो सकता है।
- एक अपराध दूसरे व्यक्ति के खिलाफ किया गया पाप भी हो सकता है।.
- इस शब्द का संबन्ध “पाप” और “अपराध” शब्दों से है, विशेष करके जब यह परमेश्वर की आज्ञा न मानने के परिप्रेक्ष्य में हो। सब पाप परमेश्वर के विरूद्ध अपराध हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- सन्दर्भ के अनुसार "तेरा अपराध" का अनुवाद हो सकता है "तेरे विरुद्ध पाप" या “नियम तोड़ना” हो सकता है।
- कुछ भाषाओं में मुहावरे हो सकते हैं जैसे “हद पार करना”, “अपराध” के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है।
- देखें कि यह शब्द बाइबल में इसके प्रकरण के अर्थ के साथ कैसे सुसंगत है और इसकी तुलना अन्य समानार्थक शब्दों के साथ करें जैसे “अपराध करना” और “पाप करना”।

(यह भी देखें: अवज्ञा, अधर्म के काम, पाप, उल्लंघन करना)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 25:27–28
- 2 इतिहास 26:16–18
- कुलुस्सियों 02:13–15
- इफिसियों 02:1–3
- यहेजकेल 15:7–8
- रोमियो 05:16–17
- रोमियो 05:20–21

शब्द तथ्य:

- Strong's: H816, H817, H819, H2398, H4603, H4604, H6586, H6588, G264, G3900

अपुल्लोस

तथ्य:

अपुल्लोस मिस्र के सिंकदरिया नगर का एक यहूदी था, उसे मनुष्यों को यीशु के बारे में शिक्षा देने का विशेष वरदान प्राप्त था।

- अपुल्लोस इब्रानी धर्मशास्त्र का ज्ञाता था और एक प्रतिभाशाली वक्ता भी था।
- इफिसुस में उसे दो विश्वासियों ने मसीही शिक्षा दी थी जिनके नाम थे: अक्विला और प्रिस्किल्ला।
- पौलुस ने जोर दिया कि वह और अप्पुल्लोस तथा अन्य प्रचारकों एवं शिक्षकों का एक ही लक्ष्य है कि वे लोगों को यीशु में विश्वास करने में सहायता करे।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अक्विला, इफिसुस, प्रिस्किल्ला, परमेश्वर का वचन)

बाइबल संदर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 01:13
- 1 कुरिन्थियों 16:12
- प्रे.का. 18:25
- तीतुस 03:13

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: G625

अबशालोम

तथ्य:

अबशालोम राजा दाऊद का तीसरा पुत्र था। वह अपनी सुन्दरता और गुस्से के लिए प्रसिद्ध था।

- जब अम्नोन ने अपने सौतेले भाई अबशालोम की बहन तामार का बलात्कार किया तो अबशालोम ने अम्मोन की हत्या की योजना बनाई।
- अम्नोन की हत्या के बाद अबशालोम गशूर भाग गया (उसकी माता माका उसी स्थान की थी) और तीन वर्ष तक वहीं रहा। तब राजा दाऊद ने उसे बुलवाया और यरूशलेम लौटने को कहा, परन्तु दो वर्ष तक उसको अपनी उपस्थिति में आने की अनुमती नहीं दी।
- अबशालोम ने प्रजा के कुछ लोगों को अपने साथ लेकर दाऊद के विरूद्ध विद्रोह कर दिया।
- दाऊद की सेना ने उससे युद्ध करके उसे मार डाला। इस घटना से दाऊद को बहुत दुःख हुआ।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: गशूर, अम्नोन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:1–3
- 1 राजा 01:5–6
- 2 शमूएल 15:1–2
- 2 शमूएल 17:1–4
- 2 शमूएल 18:18
- भजन 003:1–2

शब्द तथ्य:

- Strong's: H53

अबिय्याह

तथ्य:

अबिय्याह यहूदा का राजा था जिसने 915–913 ई.पू. राज किया था। वह राजा रहूबियाम का पुत्र था। पुराने नियम में अबिय्याह नामक अनेक पुरुष हुए हैं।

- शमूएल के पुत्र अबिय्याह और योएल बेर्शेबा में इस्राएलियों के अगुवे थे। अबिय्याह और उसका भाई बेईमान और लालची थे इसलिए प्रजा ने शमूएल से राजा की मांग की।
- अबिय्याह राजा दाऊद के समय का एक याजक था।
- अबिय्याह यारोबाम राजा के एक पुत्र का नाम भी था।
- जरूब्बाबेल के साथ बेबीलोन से यरूशलेम लौटने वालों में अबिय्याह नामक एक महायाजक भी था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 15:3
- 1 शमूएल 8:1–3
- 2 इतिहास 13:2
- 2 इतिहास 13:19
- लूका 1:5

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0029, G00070

अबीमेलेक

तथ्य:

अबीमेलेक गरार नगर का एक पलिश्ती राजा था, जब अब्राहम और इसहाक कनान देश में रह रहे थे।

- अब्राहम ने राजा अबीमेलेक को धोखा देकर कहा कि सारा उसकी पत्नी नहीं बहन थी।
- अब्राहम और अबीमेलेक ने बेर्शोबा के कुएं के संबन्ध में वाचा बांधी।
- अनेक वर्षों बाद इसहाक ने भी अबीमेलेक और गरार के विश्वासियों से झूठ कहा कि उसकी पत्नी रिबका उसकी बहन थी।
- अबीमेलेक ने अब्राहम और बाद में इसहाक को झूठ कहने के लिए झिड़का।
- एक और पुरूष जिसका नाम अबीमेलेक था, वह योताम के भाई गिदोन का पुत्र था। कुछ अनुवादों में उनके नामों की वर्तनियों में अन्तर रखा जाता है कि उसमें और राजा अबीमेलेक के नामों में भेद प्रकट हो।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बेर्शेबा, गरार, गिदोन, योताम, पलिश्ती)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 शमूएल 11:21
- उत्पत्ति 20:1–3
- उत्पत्ति 20:4–5
- उत्पत्ति 21:22–24
- उत्पत्ति 26:9–11
- न्यायियों 09:52–54

शब्द तथ्य:

- Strong's: H40

अब्नेर

परिभाषा:

अब्नेर राजा शाऊल का रिश्ते का भाई था- पुराना नियम।

- अब्नेर शाऊल की सेना का प्रधान था, जब दाऊद ने गोलियत को मारा तो अब्नेर दाऊद को लेकर शाऊल के पास गया था।
- राजा शाऊल की मृत्यु के बाद अब्नेर ने शाऊल के पुत्र ईशबोशेत को इस्राएल का राजा बनाया था, जबकि दाऊद यहूदा का राजा नियुक्त किया गया था।
- बाद में दाऊद के सेनापति योआब ने अब्नेर को निर्दयता से मार डाला था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

बाइबल संदर्भ:

- 1 इतिहास 26:26–28
- 1 राजा 02:5–6
- 1 राजा 02:32–33
- 1 शमूएल 17:55–56
- 2 शमूएल 03:22–23

शब्द तथ्य:

- Strong's: H74

अब्राहम

तथ्य:

अब्राम ऊर नगर का एक कसदी पुरूष था जिसे परमेश्वर ने इस्राएल का पूर्वज होने के लिए चुन लिया था। परमेश्वर ने उसका नाम अब्राम से बदलकर अब्राहम कर दिया था।

- “अब्राम” का अर्थ था, “प्रतिष्ठित पिता”
- “अब्राहम” का अर्थ था, “अनेकों का पिता”
- परमेश्वर ने अब्राहम से प्रतिज्ञा की थी कि उसके वंशज अनेक होंगे, जो एक महान जाति बन जाएंगे।
- अब्राहम ने परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओं को माना। कसदियों के देश से चलकर कनान जाने में परमेश्वर ने अब्राहम की अगुआई की।
- कनान में वास करते समय अब्राहम और सारा को बुढ़ापे में इसहाक प्राप्त हुआ था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: कनान, कसदी, सारा, इसहाक)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 03:8
- उत्पत्ति 11:29–30
- उत्पत्ति 21:4
- उत्पत्ति 22:2
- याकूब 2:23
- मत्ती 1:2

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- _4:6_जब **अब्राम** कनान देश पहुंचा तब परमेश्वर ने उसे कहा कि, "अपने चारों ओर देख क्योंकि जितनी भूमि तुझे दिखाई देती है, उस सब को मैं तुझे और तेरे वंश को दूँगा"
- **5:4** परमेश्वर ने कहा कि अब तेरा नाम अब्राम न होकर अब्राहम होगा, जिसका अर्थ है – "मूलपिता।"
- **5:5** लगभग एक साल बाद, जब **अब्राहम** सौ वर्ष का हुआ और सारा नब्बे वर्ष की तो, सारा ने अब्राहम के पुत्र को जन्म दिया।
- **5:6** जब इसहाक जवान हुआ, परमेश्वर ने **अब्राहम** से यह कहकर उसकी परीक्षा ली,"अपने एकलौते पुत्र इसहाक को मेरे लिए होमबलि करके चढ़ा।"
- **6:1** जब **अब्राहम** वृद्ध हो गया था, तबउसका पुत्र, इसहाक वयस्क हो चुका था, **अब्राहम** ने अपने दासों में से एक को अपने परिजनों के देश में भेजा कि वह उसके पुत्र, इसहाक के लिए एक पत्नी ले आएगा।
- **6:4** एक लंबे समय के बाद **अब्राहम** की मृत्यु हो गयी, परमेश्वर ने अब्राहम से जो वाचा बाँधी थी उसमें की गईं परमेश्वर की सब आशीषें इसहाक को मिलीं।
- **21:2** परमेश्वर ने अब्राहम से वाचा बाँधी कि भूमंडल के सारे कुल तेरे द्वारा आशीष पाएँगे।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H87, H85, G11

अभिलाषा

परिभाषा:

प्रायः पाप या अनैतिकता के सन्दर्भ में की गई उत्कट अभिलाषा को लालसा कहते हैं। लालसा करने का अर्थ है, ललकना।

- बाइबल में "लालसा" अपने जीवन साथी के अतिरिक्त किसी और के लिए यौन लालसा को कहा गया है।
- कभी-कभी इस शब्द को प्रतीकात्मक रूप में काम में लिया गया है, मूर्तिपूजा के लिए।
- प्रकरण के अनुसार, "लालसा" का अनुवाद हो सकता है, "अनुचित इच्छा" या "गहरी इच्छा" या "अनुचित यौन वासना" या "प्रबल अनैतिक कामना" या "पाप करने की प्रबल इच्छा"
- "की लालसा करना" का अनुवाद हो सकता है, "अनुचित इच्छा मन में बसाना" या "के बारे में अनैतिक मनोकामना करना" या "अनैतिक अभिलाषा करना"

(यह भी देखें: व्यभिचार, झूठे भगवान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 2:16
- 2 तीमुथियुस 2:22
- गलातियों 5:16
- गलातियों 5:19–21
- उत्पत्ति 39:7–9
- मत्ती 5:28

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H183, H185, H310, H1730, H2181, H2183, H2530, H5178, H5375, H5689, H5691, H5869, H7843, G766, G1937, G1939, G2237, G3715, G3806

अभिषेक करना

परिभाषा:

"अभिषेक करना" इस उक्ति का अर्थ है, किसी मनुष्य पर तेल का अभ्यंजन करना या उस पर तेल उंडेलना| कभी-कभी ऐसे

अभिषेक करना

तेल में मसाले मिला दी जाते थे की उसमें मनमोहक, सुगन्धित गंध उठे| बाईबल के युग में, किसी का तेल से अभिषेक करने के अनेक कारण होते थे|

अभिषेक करना

- पुराने नियम में याजकों, राजाओं तथा भविष्यद्वक्ताओं का तेल से अभिषेक किया जाता था कि उन्हें परमेश्वर के लिए एक विशेष सेवा निमित्त अलग किया जाए।
- वेदी तथा मिलापवाले तम्बू का भी तेल से अभिषेक किया जाता था कि प्रकट हो कि वे परमेश्वर की उपासना एवं महिमामय काम लेने के लिए हैं।
- नये नियम में रोगियों की चंगाई के लिए उनका तेल से अभ्यंजन किया जाता था।
- नये नियम में दो बार किसी स्त्री ने उपासना स्वरूप सुगन्धित द्रव्य से यीशु का अभिषेक किया था। एक बार यीशु ने यहाँ तक कह दिया था कि ऐसा करके वह स्त्री उसे भावी अन्तिम संस्कार के लिए तैयार कर रही है।
- यीशु की मृत्यु के बाद उसके मित्रों ने तेल और सुगन्धित द्रव्यों से उसके शव का अभ्यंजन करके दफन के लिए तैयार किया था।
- "मसीह" (इब्रानी भाषा) और "ख्रीस्त" (यूनानी भाषा) का अर्थ है, "अभिषिक्त (जन)"।
- मसीह यीशु एक ऐसा मनुष्य था जिसे भविष्यद्वक्ता, महायाजक और राजा होने के लिए चुना गया था तथा उसका अभिषेक किया गया था।
- बाईबल के युग में कुछ स्त्रियाँ इत्र से अपना अभ्यंजन करती थीं कि उनका योन आकर्षण प्रकट हो

अनुवाद के सुझाव:

- प्रकरण के अनुसार "अभिषेक" शब्द का अनुवाद "ऊपर तेल डालना" या "तेल उण्डेलना" या "सुगन्धित तेल डालकर अभिषेक करना" हो सकता है।
- "अभिषिक्त होना" का अनुवाद "तेल से अभिषिक्त होना" या "नियुक्त होना" या "पवित्र किया जाना" हो सकता है।
- कुछ संदर्भों में "अभिषेक" का अनुवाद "नियुक्त" हो सकता है।

- "अभिषिक्त याजक" का अनुवाद "याजक जिसका अभ्यंजन तेल से किया गया है" या "याजक जो तेल डाल कर अलग किया गया" हो सकता है।

(यह भी देखें: मसीह, अभिषेक करना, महायाजक, यहूदियों का राजा, याजक, भविष्यद्वक्ता)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 यूहन्ना 2:20
- 1 यूहन्ना 2:27
- 1 शमूएल 16:2–3
- प्रे.का. 4:27–28
- आमोस 6:5–6
- निर्गमन 29:5–7
- याकूब 5:13–15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0047, H0430, H1101, H1878, H3323, H4397, H4398, H4473, H4886, H4888, H4899, H5480, H8136, G00320, G02180, G07430, G14720, G20250, G34620, G55450, G55480

अमस्याह

तथ्य:

अमस्याह यहूदा का राजा बना, क्योंकि उसके पिता राजा योआश की हत्या कर दी गई थी।

- अमस्याह ने यहूदा पर 29 वर्ष राज किया था 796–767 ई.पू.।
- वह एक अच्छा राजा था परन्तु उसने ऊंचे स्थानों पर से मूर्तियों को नष्ट नहीं किया था।
- अमस्याह ने अपने पिता के सब हत्यारों को मार डाला था।
- उसने विद्रोही एदोमियों को हराकर यहूदा के अधीन कर दिया था।
- उसने इस्राएल के राजा यहोआश से युद्ध किया परन्तु हार गया था। यरूशलेम की शहरपनाह का एक भाग नष्ट किया गया और मन्दिर के सोने चांदी के पात्र लूट लिए गए।
- कुछ वर्षों बाद अमस्याह यहोवा से मुह मोड़ लिया और यरूशलेम के कुछ लोगों ने उसकी हत्या कर दी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: योआश, एदोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:10–12
- 1 इतिहास 04:34–38
- 2 इतिहास 25:9–10
- 2 राजा 14:8–10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H558

अमालेक

तथ्य:

अमालेकियों यायावर जाति थे, वे संपूर्ण दक्षिणी कनान में भ्रमण करते रहते थे, नेगेब रेगिस्तान से अरब देश तक। ये लोग एसाव के पोते अमालेक के वंशज थे।

- इस्राएल के कनान प्रवेश के समय से ही अमालेकी उनके कट्टर विरोधी थे।
- कभी-कभी "अमालेक" शब्द प्रतीकातमक रूप में अमालेकियों के लिए भी काम में लिया गया है। (देखें: उपलक्षण)
- अमालेकियों से युद्ध करते समय मूसा ने अपना हाथ उठा रखा था, उस समय इस्राएल जीत रहे थे। जब थक कर वह अपना हाथ नीचे कर लेता था तब इस्राएली हारने लगते थे। अतः हारून और हूर ने मूसा को हाथ ऊपर रखने में सहायता की थी जब तक कि इस्राएलियों ने अमालेकियों को पूर्णतः पराजित नहीं कर दिया।
- राजा शाऊल और दाऊद दोनों ही ने अमालेकियों के विरूद्ध सैनिक अभियान चलाए थे।
- अमालेकियों को एक बार पराजित करके इस्त्राएल ने परमेश्वर की आज्ञा न मानकर कुछ लूट का सामान रख लिया था और अमालेकी राजा का वध नहीं किया था जैसी परमेश्वर ने उसे आज्ञा दी थी।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अरब, दाऊद, एसाव, नेगेब, शाऊल (पुराना नियम))

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 04:42–43
- 2 शमूएल 01:8–10
- निर्गमन 17:8–10
- गिनती 14:23–25

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6002, H6003

अमोरा

तथ्य:

अमोरा सदोम के निकट उपजाऊ घाटी में एक नगर था, जहाँ अब्राहम के भतीजे लूत ने रहने का चुनाव किया था।

- अमोरा और सदोम का सही स्थान अज्ञात है परन्तु कुछ संकेतों से ज्ञात होता है कि ये दो नगर खारे ताल के निकट दक्षिण में सिद्दिम घाटी में बसे हुए थे।
- सदोम और आमोरा के क्षेत्र में अनेक राजा युद्ध करते थे।

सदोम और अन्य नगरों के मध्य युद्ध में लूत का परिवार भी बन्दी बनाया गया था, परन्तु अब्राहम ने अपने पुरुषों के साथ जाकर उन्हें छुड़ा लिया था। इसके बाद अधिक समय नहीं हुआ था कि परमेश्वर ने सदोम और अमोरा को नष्ट कर दिया था क्योंकि वहां के निवासी दुराचारी थे।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम , बाबेल, लूत, खारे ताल, सदोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 पतरस 2:6
- उत्पत्ति 10:19
- उत्पत्ति 14:1–2
- उत्पत्ति 18:21
- यशायाह 1:9
- मत्ती 10:15

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H6017

अम्नोन

तथ्य:

अम्नोन दाऊद का सबसे बड़ा पुत्र था। उसकी माता दाऊद की पत्नी अहीनोअम थी।

- अम्नोन ने अपनी आधी बहन तामार, अबशालोम की बहन को भ्रष्ट किया था।
- यही कारण था कि अबशालोम ने साजिश रचकर अम्नोन की हत्या करवा दी थी।

(यह भी देखें: दाऊद, अबशालोम)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 03:1–3
- 2 शमूएल 13:1–2
- 2 शमूएल 13:7–9

शब्द तथ्य:

- Strong's: H550

अम्मोन

तथ्य:

“अम्मोनवासी” या “अम्मोनी” कनान का एक समुदाय है। वे बेनम्मी के वंशज थे जो लूत द्वारा उसकी छोटी पुत्री का पुत्र था।

- उत्पत्ति की पुस्तक से विदित है कि अम्मोंन जाति लूत की छोटी पुत्री से जन्मा पुत्र,बेनम्मी के वंशज थे।
- विशिष्ठता में देखा जाए तो "अम्मोनी"शब्द एक अम्मोनी स्त्री के सन्दर्भ में है| इसका अनुवाद हो सकता है, "अम्मोनी स्त्री"।
- ये वही लोग हैं जिन्होंने एक समय बिलाम नामक नबी को खरीद लिया था कि इस्राएल को श्राप दे, परन्तु परमेश्वर ने ऐसा नहीं होने दिया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: श्राप, यरदन नदी, लूत)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 19:1–3
- यहेजकेल 25:2
- उत्पत्ति 19:38
- यहोशू 12:1–2
- न्यायियों 11:27
- सपन्याह 02:8

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5983, H5984, H5985

अय्यूब

तथ्य:

अय्यूब को बाइबल में परमेश्वर के सम्मुख निर्दोष एवं खरा मनुष्य कहा गया है। वह घोर कष्टों में भी परमेश्वर में विश्वास के लिए प्रसिद्ध है।

- अय्यूब ऊज़ देश का रहनेवाला था जिसका भौगोलिक स्थान कनान के पूर्व में कहीं था, संभवतः एदोमियों के क्षेत्र के निकट।
- ऐसा माना जाता है कि वह एसाव और याकूब के युग का भी है क्योंकि उसका एक मित्र तेमानी था जो एसाव के पोते के वंशजों की जाति थी।
- पुराने नियम की पुस्तक, अय्यूब में अय्यूब के कष्टों के प्रति उसकी और उसके मित्रों की प्रतिक्रियाओं का वर्णन है। इस पुस्तक में ब्रह्माण्ड के परमप्रधान शासक एवं सृजनहार, परमेश्वर का दृष्टिकोण भी प्रकट किया गया है।
- उसके सर्वनाश के बाद परमेश्वर ने उसे पुनः स्वास्थ्य प्रदान किया और सन्तानों एवं धन सम्पदा से पूर्ण किया।
- अय्यूब की पुस्तक कहती है कि जब वह मरा तब वह बहुत बूढ़ा था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: अब्राहम, एसाव, जल-प्रलय, याकूब, नूह, जनजातियां)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 14:12–14
- याकूब 5:9–11
- अय्यूब 1:1
- तीतुस 3:5

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H347, G2492

अरब

तथ्य:

अरब संसार का सबसे बड़ा प्रायद्वीप है लगभग 30,00,000 वर्ग कि.मी. का क्षेत्र है। इस्राएल के दक्षिण पूर्व में लाल सागर, अरब सागर और फारस की खाड़ी से घिरा हुआ है।

- "अरबी" शब्द अरबवासी के लिए काम में लिया गया शब्द है या अरब से संबन्धित कोई वस्तु के लिए।
- अरब के आदिवासी शेम के वंशज थे। अरब के अन्य निवासी अब्राहम के पुत्र इश्माएल के वंशज तथा एसाव के वंशज थे।
- इस्राएल जिस जंगल में 40 वर्ष भटके थे वह स्थान अरब मे ही था।
- मसीह को ग्रहण करने के बाद पौलुस कुछ वर्ष अरब के रेगिस्तान में रहा था।
- गलातिया प्रदेश के विश्वासियों को पत्र में पौलुस ने उल्लेख किया है कि सीनै पर्वत अरब में है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एसाव, गलातिया, इश्माएल, शेम, सीनै)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 10:14–15
- प्रे.का. 02:8–11
- गलातियों 01:15–17
- गलातियों 04:24–25
- यिर्मयाह 25:24–26
- नहेम्याह 02:19–20

शब्द तथ्य:

- Strong's: H6152, H6153, H6163, G688, G690

अराबा

तथ्य:

पुराने नियम का शब्द "अराबा" विशाल रेगिस्तान तथा यरदन नदी के मैदानी क्षेत्र के संदर्भ में है और मृत सागर के उत्तरी सिरे तक जाता है।

- इस्राएली मिस्र से कनान की यात्रा में इस क्षेत्र से होकर आए थे।
- "अराबा सागर" का अनुवाद हो सकता है, "अराबा रेगिस्तान में उपस्थित सागर"। इस सागर को प्रायः "नमक सागर" या "मृत सागर" कहते हैं।
- "अराबा" शब्द किसी भी रेगिस्तान के संदर्भ में भी हो सकता है।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: रेगिस्तान, नड़ सागर, यरदन नदी, कनान, नमक सागर, मिस्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 23:24–25
- 2 राजा 25:4–5
- 2 शमूएल 02:28–29
- यिर्मयाह 02:4–6
- अय्यूब 24:5–7
- जकर्याह 14:9–11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1026, H6160

अराम

परिभाषा:

पुराने नियम में अराम नामक दो पुरूष हुए हैं। यह कनान के उत्तर-पूर्व में एक क्षेत्र का नाम था जहां आज का सीरिया है।

- अराम के निवासी "अरामी" कहलाते थे और उनकी भाषा "अरामी" थी। यीशु और उसके युग के यहूदी अरामी भाषा बोलते थे।
- शेम के एक पुत्र का नाम अराम था। * दूसरा पुरुष जिसका नाम अराम था वह रिबका का रिश्ते का भाई था। संभव है कि अराम देश का नाम इन दो में से एक के नाम पर पड़ा।
- बाद में अराम देश का नाम यूनानी में "सीरिया" हुआ।
- “पदन अराम” का अर्थ है, “अराम का मैदान” और यह स्थान अराम का उत्तरी भाग था।
- अब्राहम के कुछ परिजन अराम नगर में रहते थे जो "पदन अराम" का एक नगर था।

पुराने नियम में कभी-कभी “अराम” और “पदन अराम” एक ही स्थान के सूचक हैं।

- “अराम नहेरेम” का अर्थ है “दो नदियों का अराम” यह क्षेत्र मिसोपोतामिया के उत्तरी भाग में और "पदन अराम" के पूर्व में था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: मिसोपोतामिया, पदन अराम, रिबका, शेम, सूरिया)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 01:17–19
- 2 शमूएल 08:5–6
- आमोस 01:5
- यहेजकेल 27:16–18
- उत्पत्ति 31:19–21
- होशे 12:11–12
- भजन 060:1

शब्द तथ्य:

- Strong's: H758, H763, G689

अरारात

तथ्य:

बाइबल में “अरारात” नाम एक भूभाग, एक राज्य और एक पर्वतीय श्रृंखला को दिया गया है।

- “अरारात प्रदेश” संभवतः आज के तुर्किस्तान के उत्तरी पूर्वी भाग में था।
- अरारात नाम इस कारण प्रसिद्ध है कि नूह का जहाज जल प्रलय के उतर जाने के बाद उन पर्वतों पर टिक गया था।
- आज जिस पर्वत का नाम “अरारात पर्वत” है उसे सामान्यतः बाइबल में व्यक्त अरारात पर्वत का स्थान मानते हैं।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: जहाज़, नूह)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 19:35–37
- उत्पत्ति 08:4–5
- यशायाह 37:38
- यिर्मयाह 51:27–28

शब्द तथ्य:

- Strong's: H780

अर्घ

परिभाषा:

अर्घ परमेश्वर के लिए एक चढ़ावा था जिसमें वेदी पर दाखमधु उण्डेला जाता था। यह होमबलि और अन्नबलि के साथ चढ़ाया जाता था।

- पौलुस अपने जीवन के लिए कहता है कि वह अर्घ की भांति उण्डेला जा रहा है। इसका अर्थ है कि वह परमेश्वर की सेवा में पूर्णतः समर्पित था कि मनुष्यों में सुसमाचार सुनाए,जबकी वह जानता था कि वह इस प्रयोजन निमित्त कष्ट उठाएगा वरन मार डाला भी जाएगा।
- क्रूस पर यीशु की मृत्यु परम अर्घ था क्योंकि हमारे पापों के कारण क्रूस पर उसका लहू उंडेला गया था।

अनुवाद के सुझाव:

- इस शब्द का अनुवाद हो सकता है, "दाखमधु उण्डेलना"
- पौलुस कहता है कि वह अर्घ के समान उण्डेला जा रहा है तो इसका अनुवाद हो सकता है, "मैं मनुष्यों में परमेश्वर का शुभ सन्देश सुनाने के लिए ठीक वैसे ही पूर्णतः समर्पित हूं जैसे दाखमधु को वेदी पर अर्घ करके चढ़ाया जाता है"।

(यह भी देखें: होमबलि, अन्नबलि)

बाइबल सन्दर्भ:

- निर्गमन 25:29
- यहेजकेल 45:16–17
- उत्पत्ति 35:14
- यिर्मयाह 7:16–18
- गिनती 5:15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H5257, H5261, H5262

अर्तक्षत्र

तथ्य:

राजा अर्तक्षत्र ने फारसी साम्राज्य पर लगभग 464 से 424 ई. पू. तक राज किया था।

- अर्तक्षत्र के राज्यकाल में यहूदा के इस्राएली बेबीलोन में बन्धुआई में थे उस समय बेबीलोन फारस के अधीन था।
- अर्तक्षत्र ने याजक एज्रा और अन्य यहूदी अगुओं को बेबीलोन से यरूशलेम लौट कर इस्राएलियों को परमेश्वर की व्यवस्था की शिक्षा देने की अनुमति प्रदान कर दी थी।
- इसके बाद अर्तक्षत्र ने अपने पिलानेहारे नहेम्याह को भी यरूशलेम जाने की अनुमति दे दी थी कि वह यहूदिओं को साथ लेकर शहरपनाह का पुनरुद्धार करे।
- बेबीलोन फारस के अधीन था इसलिए अर्तक्षत्र को कभी-कभी "बेबीलोन का राजा" भी कहा गया है।
- ध्यान दें कि अर्तक्षत्र क्षयर्ष नहीं था।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: क्षयर्ष, बाबेल, पिलाने हारा, एज्रा, नहेम्याह, फारस)

बाइबल सन्दर्भ:

- एज्रा 4:7–8
- एज्रा 7:1–5
- नहेम्याह 2:1
- नहेम्याह 13:6–7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H783

अवतरण

परिभाषा:

"वंशज वह मनुष्य है जो इतिहास में किसी पूर्वकालिक मनुष्य का सगा संबन्धि है।

अविश्वास

- उदाहरणार्थ, अब्राहम नूह का वंशज था।
- वंशज किसी की सन्तान, पोते, परपोते आदि होते हैं। इस्राएल के बारह गोत्र याकूब के वंशज थे।
- "से उत्पन्न" एक और रूप है जो "का वंश" के लिए काम में लिया जाता है जैसे "अब्राहम नूह का वंशज था।" इसका अनुवाद “पारिवारिक वंशावली” भी हो सकता है।

(यह भी देखें: अब्राहम, पूर्वज, याकूब, नूह, इस्राएल के बारह गोत्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 09:4–5
- प्रे.का. 13:23
- व्यवस्थाविवरण 2:20–22
- उत्पत्ति 10:1
- उत्पत्ति 28:12–13

बाइबल की कहानियों के उदाहरण:

- **02:9** “औरत का **वंश** तेरे सिर को कुचल डालेगा, और तू उसकी एड़ी को डसेगा।”
- **04:9** “मैं तेरे **वंश** को कनान देश देता हूँ।”
- **5:10** तेरे **वंश** को आकाश के तारागण के समान अनगिनित करूँगा |
- **17:7** तेरे ही **वंश** में से एक राजा मेरे लोगों पर हमेशा के लिए शासन करेगा, और मसीह भी तेरे **वंश** से होगा।”
- **18:13** यहूदा के राजा दाऊद के **वंश** के थे।
- **21:4** परमेश्वर ने राजा दाऊद से प्रतिज्ञा की थी कि मसीह दाऊद के अपने **वंश** में से एक होगा।
- **48:13** परमेश्वर ने राजा दाऊद से प्रतिज्ञा की थी कि उसका एक **वंशज** परमेश्वर के लोगों पर सदा राज्य करता रहेगा। यीशु जो मसीह है, वह दाऊद का वही विशेष **वंशज** है।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H319, H1004, H1121, H1323, H1755, H2232, H2233, H3205, H3211, H3318, H3409, H4294, H5220, H6849, H7611, H8435, G1074, G1085, G4690

अविश्वास

परिभाषा:

“अविश्वासी” अर्थात विश्वास से रहित रहना या विश्वास न करना।

- इस शब्द द्वारा उन लोगों का वर्णन किया गया है जो परमेश्वर में विश्वास नहीं करते। उनके द्वारा विश्वास न करना उनके अनैतिक आचरण द्वारा प्रकट होता है।
- भविष्यद्वक्ता यिर्मयाह ने इस्राएल पर दोष लगाया था कि वे विश्वास से विमुख हो गए हैं और परमेश्वर के अवज्ञाकारी हैं।
- वे मूर्ति-पूजा करते थे और उन जातिओं के सदृश्य परमेश्वर विरोधी रीतियों पर चलते थे जो परमेश्कावर की उपासना एवं आज्ञाओं का पालन नहीं करती थीं।

"अनिष्ट"शब्द उन लोगों का वर्णन करता है जो परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुरूप जीवन निवाह नहीं करते हैं| अनिष्ट होने की दशा या अभ्यास को "अविश्वास" कहते हैं|

- इस्राएलियों को "विश्वास से विमुख"कहा गया था क्योंकि वे मूर्तिपूजा करने लगे थे और नाना प्रकार से परमेश्वर की आज्ञाओं का उल्लंघन कर रहे थे|

विवाहित जीवन में विश्वासघाती उसको कहा जाता है जो अपने जीवन साथी से विश्वासघात करता है|

- परमेश्वर ने "विश्वासघात" शब्द का उपयोग इसलिए किया कि इस्राएल के अवज्ञाकारी व्यवहार का वर्णन करे| वे न तो परमेश्वर की आज्ञा मान रहे थे और न ही उसका सम्मान कर रहे थे|

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार “अविश्वासी” का अनुवाद “विश्वासघाती” या “विश्वास नहीं करने वाला” या “परमेश्वर का अवज्ञाकारी” या “विश्वास से विमुख” किया जा सकता है।
- “अविश्वास” का अनुवाद “विश्वासहीनता” या “अनिष्ठा” या “परमेश्वर से विरोध” किया जा सकता है।
- "विश्वासघाती" शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, "मनुष्य जो (परमेश्वर के) निष्ठावान नहीं हैं," या "अनिष्ट जन" या "परमेश्वर की अवज्ञा करनेवाले" या "परमेश्वर से विद्रोह करनेवाले|"
- कुछ भाषाओं में, "विश्वास रहित" का अभिप्राय "अविश्वास" होता है|

(यह भी देखें: नाम कैसे अनुवादित करें)

(यह भी देखें: विश्वास करना, निष्ठावान, अवज्ञा, व्यभिचार)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 43:6–8
- एज्रा 9:1–2
- यिर्मयाह 2:19
- नीतिवचन 2:22
- प्रकाशितवाक्य 21:7–8

शब्द तथ्य:

- Strong's: G571

अशुद्ध

परिभाषा:

“बिगड़कर” या “सड़ाहट” का संदर्भ ऐसी स्थिति से है जिसमें मनुष्य नाश हो जाता है, अनैतिक या बेईमान हो जाता है।

- "बिगड़कर" शब्द का मूल अर्थ है, नैतिकता में "झुकना" या "तोड़ा जाना" है।
- जो मनुष्य बिगड़ गया वह सत्य से विमुख हो गया और बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करता है।
- किसी को बिगाड़ना अर्थात उसे बेइमानी एवं अनैतिक कार्य करने के लिए प्रभावित करना।

अनुवाद के सुझाव:

- "बिगाड़ना" अर्थात "बुरा काम करने के लिए प्रभावित करना" या "अनैतिक होने के लिए प्रेरित करना"।
- बिगड़ा मनुष्य वह है, "जो अनैतिक हो गया है" या "जो बुराई करता है"
- इस शब्द का अनुवाद "बुरा" या "अनैतिक" या "दुष्ट" भी किया जा सकता है।
- "बिगड़ना" शब्द का अनुवाद "बुरा व्यवहार" या "बुराई" या "अनैतिकता" के रूप में किया जा सकता है।

(यह भी देखें: दुष्ट)

बाइबल सन्दर्भ:

- यहेजकेल 20:42–44
- गलातियों 06:6–8
- उत्पत्ति 06:12
- मत्ती 12:33–35
- भजन संहिता 014:1

शब्द तथ्य:

- स्ट्रांग'स: H2610, H3891, H4889, H7843, H7844, G861, G1311, G2704, G5351, G5356

अशुद्ध

परिभाषा:

"अशुद्ध करना" और "अशुद्ध होना" का संदर्भ दूषित या मैला हो जाने से है। कोई वस्तु भौतिक, नैतिक या संस्कारिक रूप से अशुद्ध हो सकती है।

- परमेश्वर इस्राएलियों को "अशुद्ध" और "अपवित्र" कही गई वस्तुओं को खाकर या स्पर्श करके अशुद्ध होना स्वीकार नहीं करता था।
- शव या संक्रामक रोग परमेश्वर द्वारा अशुद्ध घोषित किए गए थे और उनका स्पर्श मनुष्यों को अशुद्ध कर देता था।
- परमेश्वर ने इस्राएलियों को यौनाचार के पाप से बचने के लिए कहा था। इसके कारण वे अशुद्ध होकर परमेश्वर के ग्रहणयोग्य नहीं ठहरेंगे।
- कुछ दैहिक क्रियाएं भी उन्हें अशुद्ध करती थी जिनके लिए उन्हें फिर से शुद्ध होने के लिए अनुष्ठान करना होता था।
- नये नियम में यीशु ने शिक्षा दी थी कि पाप का विचार और कार्य वास्तव में मनुष्य को अशुद्ध करते हैं।

अनुवाद के सुझाव:

- "अशुद्ध" का अनुवाद "अशुद्ध होना" या "अधर्मी होना या "संस्कारिक रूप से अस्वीकार्य होना"
- "अशुद्ध होना" का अनुवाद हो सकता है, "अस्वच्छ होना" या "नैतिक रूप से (परमेश्वर को) अस्वीकार्य होना" या "संस्कारिक रूप से अस्वीकार्य होना"।

(यह भी देखें: अशुद्ध, शुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 23:8
- निर्गमन 20:24–26
- उत्पत्ति 34:27
- उत्पत्ति 49:4
- यशायाह 43:27–28
- लैव्यव्यवस्था 11:43–45
- मरकुस 07:14–16
- मत्ती 15:10

शब्द तथ्य:

- Strong's: H1351, H1352, H1602, H2490, H2491, H2610, H2930, H2931, G2839, G2840, G3392, G3435

अशुद्ध करना

परिभाषा:

“अशुद्ध करना” अर्थात किसी पवित्र स्थान को या पवित्र वस्तु के नष्ट-भ्रष्ट करना कि वह आराधना में उपयोग के योग्य न रह जाए।

- “अपवित्र करने” में प्रायः उसके प्रति घोर अपमान की भावना होती है।
- उदाहरणार्थ अन्यजाति राजाओं ने परमेश्वर के मन्दिर के पवित्र पात्रों को अपने राजमहल में भोज के समय मदिरा पान के लिए काम में लिए थे।
- इस्राएल के शत्रु मृतकों की हड्डियों द्वारा परमेश्वर के मन्दिर को पवित्र करते थे।
- इस शब्द का अनुवाद किया जा सकता है, “अपवित्र करने का कारण होना” या “अपवित्र करके अनादर करना” या “अपमानजनक अपवित्र” या “अशुद्धता का कारण उत्पन्न करना”।

(यह भी देखें: वेदी, अशुद्ध, अनादर, अशुद्ध करना, शुद्ध, मन्दिर, अपवित्र)

बाइबल सन्दर्भ:

- प्रे.का. 24:4–6
- यशायाह 30:22
- भजन संहिता 074:7–8
- भजन संहिता 089:38–40

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2490, H2610, H2930, G953

अशुद्ध करना

परिभाषा:

अशुद्ध करने का अर्थ है: अपवित्र करना, गन्दा करना या पवित्र वस्तु का अपमान करना ।

- अशुद्ध मनुष्य वह है जो अपवित्र व्हैयवहार करता है और परमेश्वर का आदर नहीं करता है ।
- "अशुद्ध करना" क्रिया शब्द का अनुवाद हो सकता है: "अपवित्रता से व्यवहार करना" या "श्रृद्धा रहित व्यवहार करना" या "आदर नहीं करना ।"
- परमेश्वर ने इस्राएलियों से कहा था कि उन्होंने अपने आप को “अशुद्ध” कर लिया है। अर्थात् वे मूर्ति पूजा के पाप से “अपवित्र” या “अपमानजनक” हो गए थे। वे परमेश्वर का निरादर भी कर रहे थे।
- प्रकरण के अनुसार विशेषण शब्द “अशुद्ध” का अनुवाद हो सकता है: “सम्मान से रहित” या "अभक्त"या “अपवित्र”।

(यह भी देखें: अशुद्ध, पवित्र, अशुद्ध)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 तीमुथियुस 02:16–18
- यहेजकेल 20:09
- मलाकी 01:10–12
- मत्ती 12:05
- गिनती 18:30–32

शब्द तथ्य:

- Strong's: H2455, H2490, H2491, H5234, H8610, G952, G953

अशेरा

परिभाषा:

अशेरा कनानियों की देवी का नाम था, पुराने नियम में। "अश्तोरेत" अशेरा का ही दूसरा नाम हो सकता है या यह अन्य देवी थी जो वैसी ही थी।

- "अशेरा की मूर्तियां" अर्थात लकड़ी की मूर्तियां या पेड़ों को काटकर वैसा रूप देना कि उसका प्रतिनिधित्व करें।
- अशेरा की मूर्तियां प्रायः झूठे देवता बाल के वेदी के निकट होती थी क्योंकि उसे अशेरा का पति माना जाता था। कुछ समुदाय बाल की सूर्य देवता और अशेरा या अश्तोरेत को चांद देवी मानकर पूजा करते थे।
- परमेश्वर ने इस्राएल को आज्ञा दी थी कि अशेरा की सब मूर्तियां ध्वंस कर दें।
- इस्राएल के कुछ अगुओं ने जैसे गिदोन, राजा आसा, राजा योशिय्याह ने परमेश्वर की आज्ञा मानकर इन मूर्तियों को नष्ट किया था।
- परन्तु कुछ इस्राएली राजा जैसे सुलैमान, मनश्शे आहाब ने उनको नष्ट नहीं किया वरन इस्राएल को उनकी पूजा के लिए प्रेरणा दी।

(यह भी देखें: मूरत, बाल, गिदोन, स्वरूप, सुलैमान)

बाइबल सन्दर्भ:

- 2 राजा 18:4–5
- 2 राजा 21:1–3
- यशायाह 27:9
- न्यायियों 03:7–8
- मीका 05:12–15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H842, H6252, H6253

अश्कलोन

तथ्य:

बाइबल के युग में अश्केलोन एक प्रमुख पलिश्ती नगर था जो भूमध्यसागर के तट पर स्थित था। यह नगर आज भी इस्राएल में है।

- अश्केलोन पांच अति महत्वपूर्ण पलिश्ती नगरों में से एक था, अश्दोद, एक्रोन, गत और गाज़ा के साथ।
- इस्राएल अश्कलोन को पूर्णतः जीत नहीं पाया था, यद्यपि यहूदा राजा उसके पर्वतीय प्रदेश को ले चुका था।
- अश्कलोन सैंकड़ों वर्ष पलिश्तियों के अधीन ही रहा।

(अनुवाद के सुझाव: नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: अश्दोद, कनान, एक्रोन, गत, गाजा, पलिश्ती, भूमध्य सागर)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 06:17–18
- आमोस 01:8
- यिर्मयाह 25:19–21
- यहोशू 13:2–3
- न्यायियों 01:18–19
- जकर्याह 09:5–7

शब्द तथ्य:

- Strong's: H831

अश्दोद

तथ्य:

अश्दोद पलिश्तियों के पांच प्रमुख नगरों में से एक था। यह दक्षिण-पश्चिम कनान में भूमध्य-सागर के निकट, गाज़ा और याफा के मध्य स्थित था।

- पलिश्तियों के मिथ्या देवता दागोन का मन्दिर अश्दोद में था।
- पलिश्तियों ने परमेश्वर की वाचा का सन्दूक ले जाकर अश्दोद के विजातीय मंदिर में रख दिया था, इस कारण परमेश्वर ने अश्दोद वासियों को कठोर दण्ड दिया था क्योंकि उसको विधर्मी मन्दिर में रखा गया था।
- इस नगर का यूनानी नाम अज़ोतस था। यह भी उन नगरों में से एक था जहां प्रचारक फिलिप्पुस ने सुसमाचार सुनाया था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: एक्रोन, गत, गाजा, याफा, फिलिप्पुस, पलिश्ती)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 शमूएल 5:1–3
- प्रे.का. 8:40
- आमोस 1:8
- यहोशू 15:45–47
- जकर्याह 9:6

शब्द तथ्य:

- Strong's: H795, G108

अश्शूर

तथ्य:

अश्शूर देश एक इस्राएल के कनान वास के समय अश्शूर देश एक शक्तिशाली राज्य था। अश्शूर राज्य विभिन्न जातियों का एक समूह था जिस पर अश्शूर राजा राज करता था।

- अश्शूर देश उस स्थान में था जो आज उत्तरी इराक है।
- इतिहास में अश्शूरों ने इस्राएल से अनेक युद्ध किए थे।
- 722 ई.पू. में अश्शूरों की सेना ने इस्राएल राज्य को पूर्णतः जीत लिया था और इस्राएलियों को बन्दी बनाकर अश्शूर देश ले गए थे।
- जो इस्राएली स्वदेश में रह गए थे उन्होंने अश्शूरों द्वारा सामरिया से इस्राएल में लाकर बसाए हुए परदेशियों के साथ विवाह कर लिया था। ऐसे अन्तर्जातीय विवाह से उत्पन्न सन्तान को आगे चलकर सामरी कहा गया था।

(यह भी देखें: सामरिया)

अस्वीकार करना

बाइबल सन्दर्भ:

- उत्पत्ति 10:11
- उत्पत्ति 25:17–18
- यशायाह 7:16–17
- यिर्मयाह 50:17
- मीका 7:11–13

बाइबल कहानियों से उदाहरण:

- **20:02** तब परमेश्वर ने दोनों राज्यों को दण्डित किया और उनके शत्रुओं को यह अनुमति दी कि वह उन राज्यों को नष्ट कर दे। **अश्शूर का राज्य** एक शक्तिशाली, क्रूर राज्य था, जिसने इस्राएल के राज्य को नष्ट कर दिया। **अश्शूरियों** ने इस्राएल के बहुत से लोगों को मार गिराया, उनकी मूल्यवान वस्तुओं को छीन लिया और देश का बहुत सा हिस्सा जला दिया।
- **20:3 अश्शूरियों** ने सभी अगुओं को, धनवान मनुष्य और योग्य मनुष्य को एकत्र किया और उन्हें अपने साथ **अश्शूर** ले आए।
- **20:4** तब **अश्शूरियों** ने अन्यजातियों को इस्रैल राज्य की उस भूमि पर रहने के लिए ले आए।

शब्द तथ्य:

- Strong's: H804, H1121

अस्वीकार करना

परिभाषा:

"अस्वीकार करना" अर्थात किसी व्यक्ति या वस्तु को स्वीकार करने से इन्कार करना।

- "अस्वीकार करना" का अर्थ यह भी हो सकता है, किसी बात में "विश्वास नहीं करना।"
- परमेश्वर का त्याग करने का अर्थ है उसकी आज्ञा मानने से इन्कार करना।
- इस्राएलियों ने मूसा की अगुआई को स्वीकार नहीं किया, इसका अर्थ है कि वे उसके अधिकार का विरोध कर रहे थे। वे उसकी आज्ञा मानना नहीं चाहते थे।
- इस्राएलियों द्वारा मूर्तिपूजा करने का अर्थ था कि वे परमेश्वर का त्याग कर रहे है।
- इस शब्द का मूल अर्थ है, "धक्का देना"। अन्य भाषाओं में ऐसी ही अभिव्यक्ति हो सकती है जिसका अर्थ हो, किसी वस्तु या मनुष्य में विश्वास करने का त्याग करना या इन्कार करना।

अनुवाद के सुझाव

- प्रकरण के अनुसार "त्यागना" का अनुवाद हो सकता है, "स्वीकार नहीं करना" या "सहायता करना रोक देना" या "आज्ञा मानने से इन्कार करना" या "आज्ञा मानना छोड़ देना"।
- "राज मिस्रियों ने जिस पत्थर को निकम्मा ठहराया था" या "निकम्मा ठहराया" अर्थात "काम में नहीं लिया" या "स्वीकार नहीं किया" या "फेंक दिया" या "निकम्मा जानकर काम में नहीं लिया"।
- मनुष्यों द्वारा परमेश्वर की आज्ञाओं का परित्याग करने के संदर्भ में , परित्याग "आज्ञा मानने से इन्कार करना" या इसका अनुवाद हो सकता है, परमेश्वर की व्यवस्था को "हठ करके स्वीकार न करना।"

(यह भी देखें: आज्ञा, अवज्ञा, पालन, हठीले)

बाइबल सन्दर्भ:

- गलातियों 4:12–14
- होशे 4:6–7
- यशायाह 41:9
- यूहन्ना 12:48–50
- मरकुस 7:9

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H0947, H0959, H2186, H2310, H3988, H5006, H5034, H5186, H5203, H5307, H5541, H5800, G01140, G04830, G05500, G05790, G05800, G05930, G06830, G07200, G16090, G38680

अहंकारी

परिभाषा:

"अहंकारी" अर्थात घमण्डी, प्रायः प्रकट, बाहरी रूप में।

- अभिमानी मनुष्य अपनी बड़ाई करता है।
- अभिमानी का अभिप्राय प्रायः यह है कि अन्य मनुष्य इतने महत्वपूर्ण या प्रतिभाशाली नहीं हैं जितना की मनुष्य स्वयं है।
- परमेश्वर का अनादर करनेवाले लोग जो उसके विद्रोही है, अभिमानी हैं, क्योंकि वे स्वीकार नहीं करते कि परमेश्वर कैसा महान है।

(यह भी देखें: स्वीकार करना, डींग मारना, घमण्डी)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 कुरिन्थियों 4:18
- 2 पतरस 2:18
- यहेजकेल 16:49
- नीतिवचन 16:5
- भजन 56:1–2

शब्द तथ्य:

- स्ट्रोंग्स: H1346, H1347, H2102, H2103, H6277, G212, G5450

अहज्याह

तथ्य:

अहज्याह नाम के दो राजा हुए थे: एक इस्राएल का राजा था और दूसरा यहूदा का राजा था।

- यहूदा का राजा अहज्याह राजा यारोबाम का पुत्र था। उसने एक वर्ष(841 ई.पू.) ही राज किया और फिर येहू ने उसकी हत्या की। अहज्याह के पुत्र योआश ने छोटी आयु में ही राज काज सम्भाला था।
- इस्राएल का अहज्याह अहाब राजा का पुत्र था। उसका राज्यकाल दो वर्ष था (850–49 ई.पू.)। वह अपने राजमहल की खिड़की में से गिर जाने के कारण घायल होकर मर गया था और उसके स्थान में उसका भाई योराम राजगद्दी पर बैठा।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: येहू, अहाब, यारोबाम, योआश)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 22:39–40
- 2 इतिहास 22:1–3
- 2 इतिहास 25:23–24
- 2 राजा 11:1–3

शब्द तथ्य:

- Strong's: H274

अहाज

परिभाषा:

अहाज एक दुष्ट राजा था जिसने यहूदा पर 732 से 716 ई.पू. तक राज किया था। यह समय इस्राएल और यहूदा के अनेक निवासियों को बेबीलोन की बन्धुआई में ले जाने से लगभग 140 वर्ष पूर्व का था।

- जब वह यहूदा में राज कर रहा था उसने अश्शूरों के देवता के लिए एक वेदी बनवाई थी, परिणामस्वरूप प्रजा एकमात्र सच्चे परमेश्वर यहोवा से विमुख हो गई थी।
- राजा अहाज 20 वर्ष की आयु में यहूदा के सिंहासन पर बैठा था और उसने 16 वर्ष राज किया।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद कैसे करें)

(यह भी देखें: बेबीलोन)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 इतिहास 08:35–37
- 2 इतिहास 28:1–2
- 2 राजा 16:19–20
- होशे 01:1–2
- यशायाह 01:1
- यशायाह 07:3–4
- मत्ती 01:9–11

शब्द तथ्य:

- Strong's: H271

अहिय्याह

तथ्य:

पुराने नियम में अनेक पुरूषों के नाम अहिय्याह थे। निम्नलिखित इनमें से कुछ पुरूष हैं।

- शाऊल के राज्यकाल में एक याजक का नाम अहिय्याह था।
- सुलैमान राजा के समय अहिय्याह एक लिपिक था।
- अहिय्याह शीलो का एक भविष्यद्वक्ता भी था जिसने इस्राएल राज्य के विभाजन की भविष्यद्वाणी की थी।
- इस्राएल के राजा बाशा के पिता का नाम भी अहिय्याह था।

(अनुवाद के सुझाव नामों का अनुवाद)

(यह भी देखें: बाशा, शीलो)

बाइबल सन्दर्भ:

- 1 राजा 15:27–28
- 1 राजा 21:21–22
- 1 शमूएल 14:18–19
- 2 इतिहास 10:15

शब्द तथ्य:

- Strong's: H281